†[ ]شری محمد افضل عرف م۔ افضل:۔ تو کمیٹی کو وہ آگیا ہے۔

उपसभापति : हां, आ गया है ।

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल : शुक्रिया बहुत-बहुत ।

†[ ]شری محمد افضل عرف م۔ افضل:۔ شکریہ۔ بہت بہت۔

श्री प्रमोद महाजन (महाराष्ट्र) : मैडम, आपको दोनों भाषाओं में बताना पड़ रहा है ।

उपसभापति : मैं दोनों जुबानें बोल रही हूं । हिंदी-उर्दू दोनों जुबानें मिलाकर बोल रही हूं । श्री अहलुवालिया ।

RE: SHIV SENA-BJP PRESS CONFERENCE AT BOMBAY

श्री एस० एस० अहलुवालिया (बिहार) : महोदया, आज के अखबार में बंबई के बारे में एक बहुत बड़ा समाचार छपा है । बंबई जोकि मिनी भारत के रूप में जाना जाता है और जहां कि भारत के हर राज्य के लोग रहते हैं, वहां अभी कुछ दिन हुए एक मिली-जुली सरकार बनी है और जिस मिली-जुली सरकार में अभी तक वहां की विधान सभा में अपना वोट ऑफ कांफीडेंस भी नहीं लिया है, उसके पहले ही कुछ ऐसे फैसले लेने शुरू किए है जो कि हमारे देश का संविधान, हमारी संस्कृति और सभ्यता पर बहुत बड़ा कुठाराघात है । महोदया, वहां के मुख्य मंत्री मनोहर जोशी जी ने और बातों के साथ-साथ कहा है कि बंबई में प्रवेश करने के लिए, मुझे कोई आपत्ति नहीं है जिनका बीमा समाप्त हो गया है उनको बंबई से निकाला जाए, मैं उनका पक्षधर नहीं हूं, मैं उनका पक्ष रखने के लिए यहां खड़ा नहीं हुआ हूं, लेकिन उन्होंने और बातों के साथ-साथ कहा है कि बंबई में भारतवासियों को प्रवेश करने के लिए परमिट की जरूरत पड़ेगी । . . . (व्य न) . . .

SHRI JAGESH DESAI (Maharashtra): Mr. Mahajaa, you please elarify it. . . (*Interruptions*) . . .

SHRI PRAMOD MAHAJAN: I will clarify it, Wait, wait. Don't worry. . . . (*Interruptions*) . . .

प्रो० विजय कुमार मल्होत्रा (दिल्ली) : अभी तो हारे हुए दो-तीन दिन हुए है और दो-तीन दिनों में ये हाल हो गया है. . . (**व्यवधान**) . . .

श्री प्रमोद महाजन : ज्यादा जोर से बोलने की आवश्यकता नहीं है । . . . . . (**व्यवधान**) . . .

श्री जगेश देसाई : हमने आपको देखा है और शिव सेना को भी देखा है । . . . (**व्यवधान**) . . .

उपसभापति : ऑर्डर प्लीज ।

श्री एस० एस० अहलुवालिया : मैडम, मैं इनसे जवाब नहीं मांग रहा हूं । मैं सारे भारतवर्ष में इसके मंथन के लिए एक मुद्दा उठा रहा हूं । आज एक शुरूआत हुई है बंबई शहर से. . . . . (**व्यवधान**) . . . मैं सभी के सोचने के लिए एक मुद्दा उठा रहा हूं कि आज बंबई से शुरूआत हुई है । यहां पर भारतवासियों ने, शहीद भगत सिंह ने फांसी पर चढ़ते वक्त अपनी जात का, अपने धर्म का परिचय नहीं दिया, सुखदेव राजगुरू ने भी जात, धर्म का परिचय नहीं दिया, जब उनको एक मंच पर खड़े करके फांसी दी गई थी । . . . (व्यवधान)

श्री सत्य प्रकाश मालवीय (उत्तर प्रदेश) : वहां शहीदी दिवस के अवसर पर आप एक नेता को जाने ही नहीं दे रहे है । . . . (**व्यवधान**) . . .

†[ ]Transliteration in Arabic Script.

श्री एस० एस० अहलुवालिया : अरे, आप चुप रहिए । . . . (**व्यवधान**) . . . खुदी राम बोस ने 14 वर्ष की उम्र में . . . (**व्यवधान**) . . .

श्री प्रमोद महाजन : आप शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए जाने ही नहीं दे रहे हैं । . . . (**व्यवधान**) . . .

श्री विष्णु कान्त शास्त्री : (उत्तर प्रदेश) : कोई उन देशभक्तों को श्रद्धांजलि अर्पित करते जाए तो आप परमीशन नहीं देंगे, शर्म करो । . . . (**व्यवधान**) . . .

श्री एस. एस. अहलुवालिया : पंडित जी, बैठ जाइए । . . . (**व्यवधान**) . . .

श्री विष्णु कान्त शास्त्री : शहीदी दिवस पर भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव को श्रद्धांजलि अर्पित करने अगर कोई जाना चाहे तो आप जाने नहीं देंगे और यहां नाम लेंगे । . . . (**व्यवधान**) . . .

श्री एस. एस. अहलुवालिया : पंडित जी, आप बैठ जाइए । . . . (**व्यवधान**) . . . खुदी राम बोस ने अपनी जात का परिचय नहीं दिया, जब वह 14 वर्ष की उम्र में ही फांसी के फंदे पर चढा । वह यह गाते शहीद हो गया . . . (**व्यवधान**) . . .

श्री वीरेन जे. शाह (महाराष्ट्र) : इतनी बड़ी हस्तियों को क्यों इसमें ला रहे हैं ? . . . (**व्यवधान**) . . .

श्री प्रमोद महाजन : खुदी राम बोस तक पहुंचने की अभी जरूरत नहीं है । उसमें समय है । आप यह किस सरकार के फैसले की बात कर रहे हैं ? कौनसी सरकार ने कब ऐसा फैसला लिया ? इतना बता दें, बात खत्म हो जाएगी । . . . (**व्यवधान**) . . .

श्री जगेश देसाई : उन्होंने बताया, यह स्टेटमेंट है । . . . (**व्यवधान**) . . .

SHRI PRAMOD MAHAJAN: Mr. Jagesh Desai, you are a senior and responsible Member. I respect you. But, you should not talk like this. (*Interruptions*)

SHRI V. NARAYANASAMY (Pondicherry): Mr. Pramod Mahajan, you should not forget what the Shiv Sena is doing for years together in Bombay. . . (*Interruptions*)

श्री प्रमोद महाजन : अरे भाई, यह फैसला किसका है। यह बोलो कि किसने और कब यह फैसला किया ?

श्री एस. एस. अहलुवालिया : महोदया, मेरी बात समाप्त हो जाए, फिर यह अपना निवेदन कर लें। . . . (**व्यवधान**) . . .

DR. BIPLAB DASGUPTA (West Bengal): Madam, very simple question . . . (*Interruptions*) . . .

सैयद सिब्ते रज़ी (उत्तर प्रदेश) : मैडम, संविधान का सवाल यहां उठाया जा रहा है और उसमें इंटरप्ट करते हैं। इस तरह इश्यू को डायलूट करने की कोशिश की जा रही हैं। यह बहुत बड़ा सवाल है। अभी बम्बई में हुआ, कल उत्तर प्रदेश या कहीं भी हो सकता है। विधान का सवाल है, यह एक बड़ा सवाल है। बिना वजह इधर नाराज हो रहे हैं। . . . (**व्यवधान**) .

سید سبط رضی :- میڈم - سمودھان کا سوال یہاں اٹھایا جا رہا ہے اور اس میں انٹرپٹ کرتے ہیں اس طرح ایشو کو ڈائیلوٹ کرنے کی کوشش کی جا رہی ہے - یہ بہت بڑا سوال ہے - ابھی بمبئی میں ہوا - کل اتر پردیش یا کہیں بھی ہو سکتا ہے - سمودھان کا سوال ہے - بنا وجہ ادھر ناراض ہو رہے ہیں -- " مداخلت "..

†[] Transliteration in Arabic Script.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Let him finish.

श्री एस. एस. अहलुवालिया : महोदया, मेरा यही कहना है।

उपसभापति : अहलुवालिया जी, बोलिए मगर संक्षेप में बोल दीजिए, तो और ज्यादा हंगामा नहीं होगा।.. **व्यवधान**..

श्री एस.एस. अहलुवालिया : महोदया, इस देश में हजारों स्वतन्त्रता सैनानियों ने इस देश को आजाद कराते वक्त कहीं कोई ऐसी सीमा नहीं बांधी, कहीं जांत और धर्म की बात नहीं कही और जब देश आजाद हुआ, तो एक विशेष पार्टी को जहां कहीं राज मिल गया, मिलीजुली सरकार बनाने का, वह अगर एक ऐसा प्रतिबन्ध लगाने की कोशिश करे कि यहां सिर्फ एक धर्म के या एक जांत के लोग रहेंगे या एक क्षेत्र के आदमी रहेंगे और दूसरे क्षेत्र के आदमी को आने के लिए ...(**व्यवधान**)...

श्री राम दास अग्रवाल (राजस्थान) : मैडम, यह तो सांप्रदायिक तनाव पैदा करने की बातें हो रही हैं कि कोई धर्म विशेष या संप्रदाय विशेष के लोग रहेंगे, ऐसा नहीं कहा है।...(**व्यवधान**)... ऐसी गैर-जिम्मेदार बात यहां नहीं बोलनी चाहिये। कहां कही है यह बात कि किसी दूसरे धर्म का आदमी वहां नहीं रहेगा ? किसने ऐसा कहा है ? यह बिल्कुल गलत बात है ...(**व्यवधान**)...

सैयद सिब्ते रज़ी : यह तो सरकार जांच करके बताएगी कि कहा है या नहीं कहा है ? किसने कहा है या नहीं कहा है; इसकी जांच होनी चाहिये।...(**व्यवधान**)...

سید سبط رضی :- یہ تو سرکار جانچ کرکے بتائے گی کہ کہا ہے کہ یا نہیں کہا ہے - کس نے کہا ہے یا نہیں کہا ہے - اس کی جانچ ہونی چاہیئے ... "مداخلت"....

†[] Transliteration in Arabic Script.

श्री राम दास अग्रवाल : यह तो बहुत ज्यादती है। यह किसी ने नहीं कहा है, न मनोहर जोशीजी ने और न किसी और ने। यह तो सांप्रदायिक तनाव पैदा करने की बात है।...(**व्यवधान**)...

श्री एस. एस० अहलुवालिया : मैंने पहले ही बता दिया।...(**व्यवधान**)... भारतवासियों के लिये जो वहां आपत्ति या परमिट लगाने की बात की जा रही है और उसके साथ साथ औरंगाबाद और उम्मानाबाद के नाम बदलने की बात कह रहे हैं। मैं एक साधारण सी बात कहता हूं कि महोदया, कि जितनी नफरत है, तो मनोहर जोशी जी का विनायक मंदिर के सामने जो होटल है, जिसका नाम है कोहिनर है, तो उसका नाम कोहिनूर हटाकर बदल दो।...(**व्यवधान**)... महोदया, आपत्ति की बात कही, इतनी नफरत इनको होगी, हर चीजों से, जबकि अभी विधान सभा में यह अपना पूरा मताधिकार नहीं दिखा सके, वोट आफ कांन्फीडेन्स अभी इनका नहीं हुआ और फिर ऐसे यह विचार कर रहे हैं। अनुछेद 370 के विदड्रा करने उसके खिलाफ सारे भारत में आन्दोलन छेड़ रहे हैं।...(**व्यवधान**... वहां एंट्री परमिट लगाने की बात कही जा रही है।...(**व्यवधान**)...तो मैं जानना चाहता हूं और सरकार तथा आपके माध्यम से पूरे देश को यह बताना चाहता हूं कि एक ऐसी सरकार बनी है जो कि भारतवासियों को बम्बई में प्रवेश करने के लिए इन्नर लाइन पर सिट या एंट्री परमिट लगाएगी, तभी यहां प्रवेश कर सकते हैं। ...(**व्यवधान**)..**श्री प्रमोदमहाजन :** वह आपका काम है। कश्मीर में आपने लागू किया है। धारा 370 लागू की।...(**व्यवधान**)...

श्री एस. एस. अहलुवालिया : कश्मीर में धारा 370 हटाने की बात एक मुंह से करते हो और दूसरे मुंह से 371 लागू करने की बात करते हो।...(**व्यवधान**)... ये दोनों बातें करते हैं।...(**व्यवधान**...)

श्री विष्णु कान्त शास्त्री : आप तो कर रहे हैं।...(**व्यवधान**)...नागालैण्ड में लगाया, मेघालय में लगाया।...(**व्यवधान**)...

श्री एस. एस. अहलुवालिया : महोदया, मनोहर जोशी को भी मैं यह एक गुजारिश करना चाहता हूं कि वह अपने होटल का नाम, जो कि विनायक मंदिर के सामने है, और जिसका नाम "कोहिनूर" है, बदल लें क्योंकि "कोहिनूर" एक परशियन नाम है। पहले वह उस परशियन नाम को बदल लें, तब कोई नाम ढूंढें उस्मानाबाद का और औरंगाबाद का, उसके बाद बात करें।

श्री प्रमोद महाजन : अगर "त्रिवेन्द्रम" का "तिरूअनन्तपुरम" होता है तो "बम्बई" का "मुम्बई" होगा।

श्री एस. एस. अहलुवालिया : "मुम्बई" नाम होने पर मुझे कोई आपत्ति नहीं है। मूम्बा देवी के आप भी उपासक हैं, मैं भी उसका उपासक हूं, मुझे कोई आपत्ति नहीं है यदि "मम्बई" नाम रख लिया जाये।

श्री प्रमोद महाजन : बहुत बहुत धन्यवाद।

श्री एस. एस. अहलुवालिया : किन्तु इतिहास को तोड़-मरोड़कर, विभ्रान्त करके कमिंग जनरेशन या फयूचर जनरेशन के सामने पेश करने का जो नया तरीका अपनाया है सरकार ने, उसकी मैं भर्त्सना करता हूं, धिक्कार है जताता हूं और मैं समझता हूं कि भारत देश के लोग और इस संसद के सब लोग उस पर धिक्कार जतायेंगे और इस बात की भर्त्सना करेंगे।

श्री मोहम्मद सलीम : (पश्चिमी बंगाल) : मैडम, हमारे भारतीय संविधान में मौलिक अधिकार के रूप में हमें यह गारन्टी की गई है कि प्लेस आफ बर्थ या रेजिडेन्टस् के बारे में कोई डिस्क्रिमिनेशन नहीं होगा भारतीय नागरिक के ऊपर। आर्टिकल 19 यह कहता है :—

شری محمد سلیم :- "پشچمی بنگال" : میڈم - ہمارے بھارتیہ سمودھان میں مولک ادھیکار کے روپ میں ہمیں یہ گرنٹی دی گئی ہے کہ "پلیس آف برتھ" یا "ریذیڈنس" کے بارے میں کوئی ڈسکرمینیشن نہیں ہوگا بھارتیہ ناگرک کے اوپر - آرٹیکل 19 یہ کہتا ہے کہ . . .

"All citizens shall have the right to move freely throughout the territory of India."

और आर्टिकल 19 (ई) यह कहता है :—

اور آرٹیکل 19 یہ کہتا ہے -

"...reside and settle in any part of the territory of India."

SHRI PRAMOD MAHAJAN: Except Kashmir.

श्री मोहम्मद सलीम : अब कश्मीर के बारे में हमारे महाजन जी ...(**व्यवधान**)... सुनिए तो जरा। ...(**व्यवधान**)...

شری محمد سلیم :- اب کشمیر کے بارے میں ہمارے مہاجن جی . . . "مداخلت" . . . سنئے تو ذرا . . . "مداخلت" . . .

श्री विष्णु कान्त शास्त्री : कश्मीर को छोड़कर। ...(**व्यवधान**)... कश्मीर के बारे में ...(**व्यवधान**)...

श्री मोहम्मद सलीम : आप कश्मीर-कश्मीर चीख रहे हैं, पाकिस्तान और अमेरिका एक कश्मीर बनाना चाह रहे हैं, आप पूरा देश कश्मीर बना रहे हैं। ...(**व्यवधान**)...शर्म करो...(**व्यवधान**)...

شری محمد سلیم :- آپ کشمیر کشمیر چیخ رہے ہیں - پاکستان اور امریکہ ایک کشمیر بنانا چاہ رہے ہیں - آپ پورا دیش کشمیر بنا رہے ہیں . . . "مداخلت" . . . شرم کرو

†[ ]Transliteration in Arabic Script.

श्री विष्णु कान्त शास्त्री : और आपने बनाकर रखा है । ...(**व्यवधान**)...

श्री महोम्मद सलीम : मैं भारत के संविधान के बारे में बात कर रहा हूं । ...(**व्यवधान**)...

شری محمد سلیم : ۔ میں بھارت کے سمودھان کے بارے میں بات کر رہا ہوں ۔ "مداخلت" ۔

श्री विष्णु कान्त शास्त्री : उसमें कश्मीर का उल्लेख है । ...(**व्यवधान**)...

श्री मोहम्मद सलीम : हिजबुल मुजाहिदीन से सबक नहीं लिया है। ... (**व्यवधान**)...भारत के संविधान के बारे में कह रहा हूं मैं, आपको कोई हक नहीं होना चाहिए । ...(**व्यवधान**)...

شری محمد سلیم :۔ حزب المجاہدین سے سبق نہیں لیا ہے ۔ "مداخلت" ۔ ۔ ۔ بھارت کے سمودھان کے بارے میں کہہ رہا ہوں میں ۔ آپ کو کوئی حق نہیں ہونا چاہیئے ۔ "مداخلت" ۔ ۔ ۔

श्री विष्णु कान्त शास्त्री : भारत के संविधान में ही कश्मीर के बारे में... (**व्यवधान**)...

SHRI JAGESH DESAI (Maharashtra): I am not talking about the changing of the name. (*Interruptions*)...

SHRI PRAMOD MAHAJAN: You do not know anything. He has raised the issue and you do not know the a, b, c, d, of.

SHRI MD. SALIM: Mr. Desai, it is against your prestige.

मैडम, मैं भारत के संविधान के बारे में इसलिए कह रहा था कि कुछ लोग मोर्चाबंद होकर तरह-तरह के मामलों पर संविधान के विरोधी में, संविधान की स्पिरिट के विरोध में कहते हैं, हमारे सदन में उस बारे में चर्चा करने के लिए कोई सवाल ही पैदा नहीं होता । जब तक रिमोट कंट्रोल की बात थी, हमने इस सदन में काउंसिल आफ स्टेट्स में यह सवाल नहीं उठाया, लेकिन महाराष्ट्र की केबिनेट ने पहले दिन ही—वहां की जनता ने उन्हें चुना है, हम उसकी पूरी रिस्पेक्ट करते हैं, इसका कोई विरोध नहीं है, लेकिन सवाल यह आता है कि हमने पूरे देश में 48 साल से विकास के नाम पर जो लोप साइडिड डवलपमेंट किया, उससे एक बम्बई बना और सैंकड़ों ऐसे जिले हैं उत्तर प्रदेश में, बिहार में तमिलनाडु में, आंध्र प्रदेश में, मध्य प्रदेश में, नार्थ-ईस्ट में, जिनमें पिछड़ापन है और यह अर्थ-शास्त्र का नियम है कि एक अंडर डेवलप प्लेस से मोर डेवलप प्लेस में लोग जाएंगे; चाहे वह नौकरी के लिए जाएं, पेशे के

†[] Transliteration in Arabic Script.

लिए जाएं और इसलिए भी संविधान में धारा 301, 304 में यह कहा गया है कि व्यापार के कारण, नौकरी के कारण आप इसमें ऐसी कोई बंदिश नहीं लगा सकते है कि एक स्थान के लोग दूसरे स्थान पर न जाएं ।... (व्यवधान)... पर

شری محمد سلیم :۔ میڈم میں بھارت کے سمودھان کے بارے میں اس لئے کہہ رہا تھا کہ کچھ لوگ مورچہ بدھ ہو کر طرح طرح کے معاملوں پر سمودھان کے درودھ میں۔ سمودھان کی اسپرٹ کے درودھ کہتے ہیں۔ ہمارے سدن میں اس بارے میں چرچہ کرنے کے لئے کوئی سوال ہی پیدا نہیں ہوتا۔ جب تک کہ رموٹ کنٹرول کی بات تھی ہم نے اس سدن میں کاؤنسل آف اسٹیٹس میں یہ سوال نہیں اٹھایا۔ لیکن مہاراشٹر کی کیبنٹ نے پہلے دن ہی — وہاں کی جنتا نے انہیں چنا ہے۔ ہم اس کی پوری ریسپکٹ کرتے ہیں۔ اس کا کوئی درودھ نہیں ہے لیکن سوال یہ آتا ہے کہ ہم نے پورے دیش میں ۴۸ سال سے وکاس کے نام پر جو ٹوپ سائیسڈ ڈیولپمنٹ کیا اس سے ایک بمبئی بنا اور سینکڑوں ایسے ضلع ہیں اتر پردیش میں۔ بہار میں۔ تامل ناڈو میں۔ آندھرا پردیش میں۔ مدھیہ پردیش میں۔

] Transliteration in Arabic Script.

نارتھ ایسٹ میں۔ جن میں پچھڑا پن ہے اور یہ ارتھ شاستر کا نیم ہے کہ ایک انڈر ڈیولپ پلیس سے "مور ڈیولپ پلیس" میں لوگ جائیں گے۔ چاہے وہ نوکری کے لئے جائیں۔ پیشے کے لئے جائیں۔ اور اس لئے بھی سمودھان میں دھارا ۳۰۱۔ ۳۰۴ میں یہ کہا گیا ہے کہ ویاپار کے کارن۔ نوکری کے کارن۔ آپ اس میں کوئی ایسی بندش نہیں لگا سکتے ہیں کہ ایک استھان کے لوگ دوسرے استھان پر نہ جائیں۔" مداخلت"۔

THE DEPUTY CHAIRMAN: Order please... (*Interruptions*)... I want to finish everything now.

श्री मोहम्मद सलीम : एक प्रांत से दूसरे प्रांत में व्यापार के कारण हो, सरकारी नौकरी के कारण हो, हम जाकर रह सकते है । अब जो लोग कश्मीर की बात करते हैं सैक्शन 370 को लेकर के कन्या कुमारी से लेकर श्रीनगर तक हंगामा मचा रहे हैं, हम उनसे पूछते हैं कि 370, 371 ए, बी, सी, डी, करके 371 में कुछ स्पेशल प्रोविजन किए है और उसके लिए हमे गौरव है । चाहे वह नागालैंड के लिए दें, चाहे मिजोरम के लिए दें, चाहे आंध्र प्रदेश के लिए दें, चाहे महाराष्ट्र और गुजरात या विदर्भ या सौराष्ट्र के लिए दें। अगर आपको ऐसा कुछ चाहिए तो आप जूनियर पार्टनर होने के बावजूद भी कहिए कि हमें बम्बई शहर के लिए भी 370 आई के बाद और कुछ चाहिए ।... (**व्यवधान**) हां, "जे" चाहिए या कुछ भी चाहिए ।

श्री प्रमोद महाजन : कैबिनेट ने कहा क्या ?

श्री मोहम्मद सलीम : सुनिए जनाब, देखिए, हमारा सवाल यह है... **(व्यवधान)**

श्री जगेश देसाई : इशारा है।... **(व्यवधान)**

श्री मोहम्मद सलीम : समझदारों को इशारा काफी है।

श्री प्रमोद महाजन : आपको तो इशारा दे दिया।

श्री जगेश देसाई : यह इशारा आज से नहीं है... **(व्यवधान)**[1]

श्री मोहम्मद सलीम : जगेश जी, 371-जे के लिए।... **(व्यवधान)**

सैडम, मैं यह कह रहा था कि अभी आज के टाईम्स आफ इंडिया में और बम्बई के डे-टाईम्स में, दूसरे तमाम अखबारों में यह बात कही जा रही है चूंकि रिमोट कंट्रोल से यह इशारा किया गया था जब सरकार ओथ ले रही थी, कि हम जो इनफिलट्रेटर्स हैं, जो पाकिस्तानी है, बंगला देशी है, इललीगली बम्बई में रह रहे हैं। जैसे कि उनका कहना है और परसों भी यह बात कह रहे थे। वह यहां नहीं, जब दिल्ली में भी उनकी सरकार आई थी तो मुख्य मंत्री खुराना जी ने कहा था कि वह निकालेंगे बंगला बोलने वालों को, उनको खदेड़ेंगे। ऐसा वह राजनीतिक कारणों से कहते हैं। हम यहां पर आंध्र प्रदेश के बारे में भी वहम कर चुके हैं। लेकिन वह आज कह रहे हैं कि मिटिजंग आफ इंडिया, कमिंग फ्रोम आउटसाईड बम्बई है, उनको हम परमिट सिस्टम लागू करने के लिए स्ट्रेटेजी लेंगे। केबिनेट का पहला फैसला जो प्रेस कांफ्रेंस में आते हैं। मुख्य मंत्री के नाम पर कहा गया है कि ऐसे कुछ परमिट, स्ट्रेटेजी हम बनाएंगे।

شری محمد سلیم "جاری" ایک پرانت سے دوسرے پرانت میں ویاپار کے کارن ہو۔ سرکاری نوکری کے کارن ہو۔ ہم جاکر رہ سکتے ہیں۔ اب جو لوگ کشمیر کی بات کرتے ہیں سیکشن ۳۷۰ کو لے کر کے۔ کنیا کماری سے لے کر کے شری نگر تک ہنگامہ مچا رہے ہیں۔ ہم اُن سے پوچھتے ہیں کہ ۳۷۰-۳۷۱ اے۔ بی۔ سی۔ ڈی کر کے ۳۷۱ کو کچھ اسپیشل پروویزن کئے ہیں اور اس کے لئے ہمیں گورو ہے۔ چاہے وہ ناگالینڈ کے لئے دیں چاہے میزورم کے لئے دیں۔ چاہے آندھرا پردیش کے لئے دیں۔ چاہے مہاراشٹر اور گجرات کے لئے دیں۔ یا

[1] I condemn it. (*Interruptions*)

جو پاکستانی ہیں۔ بنگلہ دیشی ہیں غیر قانونی طور پر بمبئی میں رہ رہے ہیں۔ جیسا کہ اُن کا کہنا ہے ... پرسوں بھی یہ بات کہہ رہے تھے۔ وہ یہاں نہیں ہیں۔ جب دلّی میں بھی اُن کی سرکار آئی تھی تو مکھیہ منتری کھورانہ جی نے کہا تھا کہ وہ نکال لیں گے بنگلہ بولنے والوں کو۔ اُن کو کھدیڑیں گے۔ ایسا وہ راج ٹھاکرے کارٹون سے کہتے ہیں۔ ہم یہاں پر آندھرا پردیش کے بارے میں بھی بحث کر چکے ہیں۔ لیکن وہ آج کہہ رہے ہیں کہ مٹینرنس آف انڈیا کمنگ فرام آؤٹ سائیڈ۔ بمبئی ہیں۔ ان کو ہم پرمٹ سسٹم لاگو کرنے کے لئے اسٹریچی لیں گے۔ گورنمنٹ کا پہلا فیصلہ جو پریس کانفرنس میں ہے ہیں۔ مکھیہ منتری کے نام پر کہا گیا ہے کہ ایسے کچھ پرمٹ۔ اسٹریچی ہم بنائیں گے۔

SHRI PRAMOD MAHAJAN: Would you please read out the cutting from the 'Times of India' about the decision which you talk about?

SHRI MD. SALIM: With your permission, Madam...

THE DEPUTY CHAIRMAN: I do not permit reading of the newspapers in the House. We do not allow.

SHRI PRAMOD MAHAJAN: It is based on newspaper reports and totally misleading.

...دربھنگا یا سوراشٹر کے لئے دیں۔ اگر آپ کو ایسا کچھ چاہئے تو آپ جو نیئر پارٹنر ہونے کے باوجود بھی کہئے کہ ہمیں بمبئی شہر کے لئے بھی ۳۷۰ آئی کے بعد اور کچھ چاہئے .... "مداخلت" .... ہاں "جے" چاہئے یا کچھ بھی چاہئے۔

شری پرمود مہاجن :- کیبنٹ نے کہا کیا۔

شری محمد سلیم :- سُنئے جناب۔ دیکھئے ہمارا سوال یہ ہے .. "مداخلت"..

شری جگدیش ڈیسائی :- اشارہ ہے ... "مداخلت"

شری محمد سلیم :- سمجھ داروں کو اشارہ کافی ہے۔

شری پرمود مہاجن :- آپ کو تو اشارہ دے دیا۔

شری جگدیش ڈیسائی :- یہ اشارہ آج سے نہیں ہے .... "مداخلت"...

شری محمد سلیم :- جگدیش جی ۳۷۱ جے کے لئے ... "مداخلت"....

میڈم میں یہ کہہ رہا تھا کہ ابھی آج کے ٹائمز آف انڈیا میں اور بمبئی کے ڈے ٹائمز میں اور دوسرے تمام اخباروں میں یہ بات کہی جا رہی ہے جو کہ رموٹ کنٹرول سے یہ اشارہ کیا گیا تھا جب سرکار اُونٹھ لے رہی تھی کہ ہم جو انفلٹریسٹس ہیں۔

†[] Transliteration in Arabic Script.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Don't misquote anything. (*Interruptions*) Just a minute. I will handle it. You can quote but....

SHRI PRAMOD MAHAJAN: I request you, Madam, as an exception, allow him to read. We will understand what he is talking about and what the decision is.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Salim...

SHRI MD. SALIM: It is a small passage, Madam.

THE DEPUTY CHAIRMAN: You are referring to a newspaper report. Right? You can quote from the newspaper report...

SHRI MD. SALIM: It is a press conference held by the Chief Minister of Maharashtra.

THE DEPUTY CHAIRMAN: You can quote from it. But I would not like you to read the newspaper and have new precedents set in the House because every day everybody will start reading the newspaper. You can quote that portion, but I will not allow you to read the newspaper. (*Interruptions*) I have not allowed him to read it.

SHRI MD. SALIM: Madam, I quote:

> "Mr. Joshi added that his Government will also insist on the renaming of Sahar international air terminal after Chhatrapati Shivaji. Referring to the illegal entry of foreigners and the influx of Indian citizens into Bombay, Mr. Joshi pointed out that the Shiv Sena Chief Bal Thackeray had recently announced that these two issues would be taken up on a priority basis."
>
> (*Interruptions*)

SYED SIBTEY RAZI: It is a challenge to the Constitution of India.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA (West Bengal): It is totally atrocious. (*Interruptions*)

SYED SIBTEY RAZI: It is a very shameful statement. The Chief Minister cannot throw a challenge like this to the Constitution of India. I condemn it. (*Interruptions*)

SHRI MD. SALIM: Madam, the Maharashtra Government and its leaders have the right to lay down their own priorites. Bombay and other parts of Maharashtra are having their own problems just as we have problems in other places. According to their judgment, they can lay down their priorities. We do not have any objection to this. At the same time, this House, the Council of States, has its own priorities and responsibility.

SHRI PRAMOD MAHAJAN: Why don't you read the next sentence? That is more important. It talks about... (*Interruptions*)

SHRI MD. SALIM: It says: 'Various suggestions had been received on this and one of them was to introduce a permit sysytem'. (*Interruptions*)

श्री एस० एस० अहलूवालिया : मैडम, वीसा लगा करेगा अब बंबई जाने के लिए । . . . (**व्यवधान**) . . .

SHRI JAGESH DESAI: Mr. Mahajan, you wanted him to read the next sentence. (*Interruptions*) This makes the position very clear. (*Interruptions*)

SHRI V. GOPALSAMY (Tamil Nadu): Madam, the B.J.P. and the Shiv Sena are bent upon destroying the whole country. (*Interruptions*)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Salim, could you be brief, please? (*Interruptions*)

SHRI V. NARAYANASAMY (Pondicherry): The B.J.P. and the Shiv Sena are showing their true colour there. (*Interruptions*)

श्री प्रमोद महाजन : गवर्नमेंट का डिसीजन बोलिए ।

Don't read the suggestions. (*Interruptions*)

SHRI V. GOPALSAMY: We condemn the suggestions. (*Interruptions*)

SHRI PRAMOD MAHAJAN: It was the suggestion from the D.M.K. The suggestion was given by the leader of the D.M.K. (*Interruptions*)

SHRI MD. SALIM: This is from the 'remote control'. You cannot deny that... (*Interruptions*)

SHRI JAGESH DESAI: If this is the way of the B.J.P. and the Shiv Sena are going to run the Government... (*Interruptions*)

SHRI PRAMOD MAHAJAN: Mr. Jagesh Desai, Let him read. You have not read the 'Times of India'. Let him quote. (*Interruptions*)

SHRI JAGESH DESAI: I know. I have suffered. (*Interruptions*)

SHRI PRAMOD MAHAJAN: You talk about what the Government has said. You talk about the Government. (*Interruptions*)

श्री सतीश प्रधान (महाराष्ट्र) : आपने जो बोला था वह भी मैं कोर्ट में ले जाऊंगा । . . . (**व्यवधान**) . . .

उपसभापति : ऑर्डर प्लीज । खत्म तो करिए । . . . (**व्यवधान**) . . .

श्री मोहम्मद सलीम : पहले संविधान तो पढ़ लो । . . . (**व्यवधान**) . . .

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Salim, please conclude. (*Interruptions*)

SHRI MD. SALIM: I am concluding, Madam. (*Interruptions*) Mr. Mahajan would be asking me to read another line. He would again ask me to read another line. (*Interruptions*) First of all, let him read the Constitution of India.

SHRI PRAMOD MAHAJAN: I am an illiterate man. I am not an intelligent person like you. (*Interruptions*)

श्री मोहम्मद सलीम : मैडम, जैसे वे बहुत सलेक्टिव हैं पढ़ने के बारे में । सब कुछ नहीं पढ़ते हैं . . . (**व्यवधान**) . . .

श्री प्रमोद महाजन : कम्पीटीशन मत करो उसका कास्टिट्यूशन मत करो । पहले पूरा तो पढ़ो । बीच में रोक कर क्यों रखा हुआ है ? . . . (**व्यवधान**) . . .

SHRI MD. SALIM: Madam, do you see how they respect the Constitution of India? When I am talking about the Constitution of India, he talks about constipation. (*Interruptions*)

मैडम, मैं ये कह रहा था कि हमारे यहां बंबई शहर में केरल से लेकर कश्मीर तक, गुजरात से लेकर नॉर्थ-ईस्ट तक हमारे लोग वहां आते हैं और बसते हैं । अभी हम कल ही बात कर रहे थे कि हमारे जितने फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशन्स हैं, क्या इस सरकार की है कि वे सब बंबई में सेंटर किए हुए हैं । फाइनेंस का जिक्र हो या कॉमर्स का जिक्र हो और वहां तो लोग आएंगे ही । तो सरकार की जिम्मेदारी है, इस सदन की जिम्मेदारी है और पहले यह बात बता देनी है कि हम यहां पर इंडिया ऐज ए यूनियन ऑफ स्टेट्स हैं और हम यहां सब परमिट की बात कर रहे हैं । [illegible] . . . (**व्यवधान**) . . .

سری محمد سلیم : ۔ میڈم ۔ میں یہ کہہ رہا تھا کہ ہمارے یہاں بمبئی شہر میں کیرل سے لے کر کشمیر تک ۔ گجرات سے لے کر نارتھ ایسٹ تک ہمارے لوگ وہاں آتے ہیں اور بستے ہیں ۔ ابھی ہم کل ہی بات کر رہے تھے کہ ہمارے [illegible] فنانشل انسٹی ٹیوشنس ہیں کیا اس سرکار کی ہے کہ وہ سب بمبئی میں سینٹر کئے ہوئے ہیں ۔ فائننس کا ذکر ہو یا کامرس کا ذکر ہو اور وہاں تو لوگ آئیں گے ہی ۔ تو سرکار کی ذمہ داری ہے ۔ اس سدن کی ذمہ داری ہے اور پہلے یہ بات بتا دینی ہے کہ ہم یہاں پر انڈیا از اے یونین آف اسٹیٹس ہیں اور ہم یہاں سب پرمٹ کی بات کر رہے ہیں ۔ . . . (مداخلت) . . .

SHRI V. GOPALSAMY: Millions of Tamils are there.

श्री मोहम्मद सलीम : और उनको ही नहीं मुरली मनोहर जोशी जी को भी परमिट लगेगा और प्रमोद महाजन जी इतनी बात कर रहे हैं, वे तो आंध्र प्रदेश से लिक्ड हैं, अभी महाराष्ट्र में सेटल्ड हैं और उनको भी कहेंगे कि परमिट ले आओ क्योंकि डेट ऑफ बर्थ का सर्टिफिकेट उनको मिलेगा आंफ प्रदेश से, महाराष्ट्र से नहीं। तो सवाल यह है कि . . . (**व्यवधान**) . . .

شری محمد سلیم :- اور ان کو ہی نہیں مرلی منوہر جوشی جی کو بھی پرمٹ لگے گا اور پرمود مہاجن جی اتنی بات کر رہے ہیں وہ تو آندھرا پردیش سے لنکڈ ہیں۔ ابھی مہاراشٹر سٹیلڈ ہیں۔ اور اُن کو بھی کہیں گے کہ پرمٹ لے آؤ کیوں کہ ڈیٹ آف برتھ کا سرٹیفکیٹ انکو ملے گا آندھرا پردیش سے مہاراشٹر سے نہیں۔ تو سوال یہ ہے کہ . . . "مداخلت"

श्री जनेश्वर मिश्र (उत्तर प्रदेश) : और सिकन्दर बक्त तो जा ही नहीं सकते, मुसलमान हैं । . . . (**व्यवधान**) . . .

एक माननीय सदस्य : सिकन्दर बक्त साहब को तो पता नहीं, शायद नाम बदलना पड़े ।

SHRI S. JAIPAL REDDY (Andhra Pradesh): Madam, he is from my own district. I am really concerned about his safety in Bombay. (*Interruptions*)

श्री मोहम्मद सलीम : मैडम, मैं कह रहा था कि यह काउंसिल ऑफ स्टेट्स है । हमें . . . (**व्यवधान**)

شری محمد سلیم : میڈم، میں کہہ رہا تھا کہ یہ کاؤنسل آف اسٹیٹس ہے . . ہمیں . . "مداخلت" . . .

THE DEPUTY CHAIRMAN: I have other names also.

श्री संघ प्रिय गौतम (उत्तर प्रदेश) : कैसे. (**व्यवधान**) . हो रहा है ? . **व्यवधान**. .

श्री मोहम्मद सलीम : इनके लिए दिक्कत होती है । जब इनके नेता समझ जाते हैं तो कैडर बाद में समझते हैं । थोड़ी देर लग जाती है । लेकिन मैं यह कह रहा था कि यह काउंसिल ऑफ स्टेट्स है । हमें सीरियस्ली लेना चाहिए ।

شری محمد سلیم : انکے وقت ہوتی ہے جب انکے نیتا سمجھ جاتے ہیں تو کیڈر بعد میں سمجھتے ہیں تھوڑی دیر لگ جاتی ہے لیکن میں یہ کہہ رہا تھا کہ یہ کاؤنسل آف اسٹیٹس ہے ہمیں سیریسلی لینا چاہیئے ۔

उपसभापति : जल्दी खत्म करिए ।

श्री मोहम्मद सलीम : बी0जे0पी0 को भी मैं कहता हूं कि यह शुरुआत है । आप पार्टनर हैं आपके भी यह बैनीफिट में होगा कि रिपोर्ट कंट्रोल से अगर ऐसे कुछ सिनलस आते हैं तो फिर आपको भी दिक्कत होगी, पूरे देश में, तो फिर आपको अभी से चौकस होना चाहिए । दरअसल यह आपके फायदे में भी है कि आप उन्हें कहिए कि देखो भइया, हम एक साथ बिस्तर शेयर कर सकते हैं लेकिन उसके लिए कुछ नियम होना चाहिए, कुछ कानून होना चाहिए, कुछ जिम्मेदारी होनी चाहिए, कुछ रिसपोंसिबिलिटी होनी चाहिए । और हम आपसे यह चाहते हैं कि You behave responsibility.

شری محمد سلیم :- بی جے پی کو بھی میں کہتا ہوں کہ یہ شروعات ہے ۔ آپ پارٹنر ہیں آپ کے بھی بینیفٹ میں ہوگا کہ رپورٹ کنٹرول سے اگر کچھ سگنلس آتے ہیں تو پھر آپ کو بھی دقت ہوگی پورے دیش میں

میں۔ تو پھر آپ کو ابھی سے چوکس ہونا چاہیئے ۔ دراصل یہ آپ کے فائدہ میں بھی ہے کہ آپ انہیں کہئے کہ دیکھو بھیا ہم ایک ساتھ بستر شیئر کر سکتے ہیں لیکن اس کے لئے کچھ نیم ہونا چاہیئے کچھ قانون ہونا چاہیئے کچھ ذمہ داری ہونی چاہیئے ۔ کچھ رسپانسیبلٹی ہونی چاہیئے کیونکہ ہم آپ سے یہ چاہتے ہیں کہ ۔

† [ ] Transliteration in Arabic Script.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Narayanasamy. Now, enough has been said. Will you please be brief?

SHRI V. NARAYANASAMY: Madam, I will be very brief. Madam, the Shiv Sena-BJP Government, in its first Cabinet meeting, decided to work out strategies for the purpose of curbing the influx of foreigners into Bombay.

SHRI K. R. MALKANI (Delhi): Nobody has used the word "foreigners."

...(*Interruptions*)...

SHRI S. S. AHLUWALIA: Both the words are used.

SHRI V. NARAYANASAMY: Secondly, the entry of Indian citizens into Bombay. I would like to know from my BJP and Shiv Sena friends who are in this House, whether they are non-Indians, whether they are foreigners who are living in Bombay. Today, if any Indian wants to go to any foreign country, he needs a visa. In Bombay Indians are living, and for another Indian to go to Bombay, why does he need a permit?... (*Interruptions*). I would like to know that. You have decided it in principle. (*Interruptions*)... Now you are going to work out the modalities. (*Interruptions*)

श्री प्रमोद महाजन : वहां कांग्रेस सरकार थी न।...(व्यवधान)

SHRI V. NARAYANASAMY: My point is, people of other States who have been living in Bombay have suffered at the hands of the Shiv Sena for long years. Whenever there were communal clashes, whenever there were riots, the people of other States who have been living in Bombay have been the worst victims, especially, people from Tamil Nadu, Kerala and Andhra Pradesh. We know that people go in large numbers from one State to another. But, unfortunately, the Shiv Sena-BJP coalition is trying to create not only a communal divide, which they have been doing for years together, but they are also trying to divide people, saying these people are from Maharashtra, these people are from Andhra Pradesh, these people are from Tamil Nadu and so on. They want to divide the people region-wise. This is unfortunate.

AN HON. MEMBER: Kerala also. Mr. Rajagopal is from Kerala.

SHRI V. NARAYANASAMY: This is quite unfortunate. I do not know where this will lead to. The Shiv Sena BJP combine in Maharashtra is showing its ugly head in dividing people not only in the name of religion but also by saying these are Marathis, these are Andhras, these are Tamils, and so on. Like that they are trying to divide the people.

I take strong exception to the words which they used, that Indians are coming into Bombay. It is quite deplorable. I want the BJP and Shiv Sena Members in this House to apologize to the people of India for having used those words and saying that Indians are going to Bombay. If they are really patriots, if the Shiv Sena and BJP leaders sitting in this House are really patriots, they should apologize and rescind the decision taken by them.

...(*Interruptions*)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Let Mr. Pramod Mahajan speak.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Let them answer after listening to us.

THE DEPUTY CHAIRMAN: There is no question-answer business.

THE LEADER OF THE OPPOSITION (SHRI SIKANDER BAKHT): There is no question of answering or anything like that.

THE DEPUTY CHAIRMAN: There is only a viewpoint. No question-answer business. Mr. Pramod Mahajan is a Member of this House: he has a right. He is a Member from Bombay like myself. He has a right to speak.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: I thought he was a political envoy of the sovereign State of Bombay here!

THE DEPUTY CHAIRMAN: He has a right to speak.

SHRI V. NARAYANASAMY: He is the President of Bombay!

SHRI PRAMOD MAHAJAN: Madam, the communists' dream of making Bombay sovereign will be the last to come true. It would be a part of Maharashtra for ever.

ऐसा सपना मत देखो ।

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Don't misplace it. The hon. Member is misplacig his weapon. It is a misplaced language.

श्री प्रमोद महाजन : उपसभापति महोदया, यहां उठाया गया विषय बात का बतंगड़ बनाने का इससे बड़ा उदाहरण कोई नहीं हो सकता । महाराष्ट्र सरकार की मन्त्रिपरिषद् की पहली बैठक में इस प्रकार का कोई निर्णय नहीं लिया गया । जिस समाचार-पत्र का मेरे मित्र उल्लेख कर रहे है उस समाचारपत्र में भी मुख्य मंत्री ने कहा है । इतना ही वाक्य सलीम साहब ने पढ़ा कि ये सारे सुझाव पर सरकार विचार करेगी । (**व्यवधान**)

श्री जगेश देसाई : उन्होंने कहा एग्जामिन करेंग । मैं यह कहना चाहता ह कि उन्होंने कहा है एग्जामिन करेंगे (**व्यवधान**)

That is very dangerous.

SHRI V. NARAYANASAMY: The Cabinet has decided it. You read the first line... (*Interruptions*)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Order, please... (*Interruptions*)

आप कृपया बैठ जाइय । (**व्यवधान**)

SHRI PRAMOD MAHAJAN: Madam, I never thought that Mr. Jagesh Desai's English is as poor as mine. Examining a suggestion is not accepting it... (*Interruptions*).

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Madam, we must listen to him. I appeal to the House that we must listen to him. ... (*Interruptions*)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Let him speak. ... (*Interruptions*) Let him speak, please. ... (*Interruptions*)

श्री प्रमोद हाजन : मुंबई में आने वाले किसी भी भारतीय पर परमिट सिस्टम लगाने के लिए भारतीय जनता पार्टी कभी समर्थन नहीं करेगी । (**व्यवधान**) जब तक उस सरकार में हम हैं तब तक इस प्रकार का कोई निर्णय उस सरकार की ओर से नहीं होगा (**व्यवधान**)

SHRI V. NARAYANASAMY: Are there BJP members in the Cabinet or not?... (*Interruptions*)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Let him speak.

श्री विष्णु कान्त शास्त्री : इतनी अच्छी बात, इतनी स्पष्ट बात देश भक्तिपूर्ण बात उन्होंने कही है उसका विरोध कर रहे है । (**व्यवधान**) अच्छी बात आप सुनना नहीं चाहतें । (**व्यवधान**)

SYED SIBTEY RAZI: Madam, I stand on a point of order. (*Interruptions*).

श्री विष्णु कान्त शास्त्री : अच्छी बात तो सुन लिया करें । (**व्यवधान**) अच्छी बात का भी विरोध कर रहे हैं ।

उपसभापति : इन्हें बोलने दीजिए । (**व्यवधान**)

It is his viewpoint. He wants to give it.

श्री एस. एस. अहलुवालिया : इस राज्य सभा में कोई फैसला होना चाहिए। युनेनिमसली एक रेजोलूशन पास हो इस पर । (**व्यवधान**)

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: I have moved it already.

श्री एस. एस. अहलुवालिया : एक युनेनिमसली रेजोलूशन यहां पर मूव होना चाहिए और पास होना चाहिए । (**व्यवधान**)

श्री प्रमोद महाजन : कोई मूव नहीं हो सकता. . . (**व्यवधान**)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Order, please.

SHRI JAGESH DESAI: I am happy that you are making your party's position clear. ...(*Interruptions*)

श्री प्रमोद महाजन : मेरा कर्तव्य इस सदन को गुमराह होने से बचाना है । . . . (**व्यवधान**) . . .

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Jagesh Desai, please sit down.

SHRI JAGESH DESAI: You are making your party's position very clear. At the same time if some discussion on this has take place, you make it clear.

SHRI PRAMOD MAHAJAN: There was no such discussion उपसभापति महोदया, हम इस सदन के जिम्मेदार सदस्य हैं । . . . (**व्यवधान**) . . .

SHRI JIBON ROY (West Bengal): Madam, he should clarify if there was some decision on this issue and if the senior leaders have taken a decision... (*Interruptions*)

श्री प्रमोद महाजन : क्या चाहिए आपको ?

SHRI V. GOPALSAMY: You people should feel ashamed. (*Interruptions*) Your party is a national party. (*Interruptions*)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please take your seat.

SHRI PRAMOD MAHAJAN: Thank you for accepting it. Yours is not. I know. (*Interruptions*)

उपसभापति : प्रमोद महाजन जी आप बोलिए। आप उनकी तरफ मत देखिए। आप बोलिए ।

श्री प्रमोद महाजन : उपसभापति महोदया, मुंबई शहर की एक करोड आबादी है और वह एक छोटा हिन्दुस्तान है। उसमें महाराष्ट्रियन जिनको हम कहते हैं वे 40 प्रतिशत भी नहीं हैं। अहमदाबाद में जितने गुजराती नहीं रहते उतने गुजराती मुंबई शहर में रहते हैं । शायद लखनऊ में. . . (**व्यवधान**) . . .

श्री एस.एस. अहलुवालिया : बम्बई में हैं, महाराष्ट्र में नहीं हैं । . . . (**व्यवधान**)

श्री दिलीप सिंह जूदेव (मध्य प्रदेश) : पहले सुनो । . . . (**व्यवधान**) . . .

श्री प्रमोद महाजन : मैंने कुछ गलत कहा है तो कहिए ? मैंने क्या गलत कहा है ? . . . (**व्यवधान**) . . .

श्री एस. एस. अहलुवालिया : हिन्दुस्तान में जितने बैंक हैं वे बम्बई में हैं, अब आप यह भी कह लें . . . (**व्यवधान**) . . .

श्री जगेश देसाई : बाल ठाकरे ने क्या कहा ? . . . (**व्यवधान**) . . .

श्री विष्णु कान्त शास्त्री : आपके शरद पवार ने क्या कहा था ? . . . (**व्यवधान**) . . .

SHRI PRAMOD MAHAJAN: Madam, if I speak something wrong or something unparliamentary, they should interrupt. I am just explaining the position. Will every sentence they start interrupting.

SHRI V. NARAYANASAMY: You are speaking something which is not acceptable to the people of India.

SHRI PRAMOD MAHAJAN: Madam, the population of Gujaratis in Bombay is much more than Ahmedabad. Is it unacceptable? What is wrong in it?

गलत कहा मैंने ? मैं आपको यह कह रहा था, किसी का भाषण सुनने का भी एक तरीका होता है । अगर उसके चार संटेंस भी नहीं सुनेंगे तो उसमें से क्या निकलेगा । ...(**व्यवधान**)... उपसभापति महोदया, मैं यह कह रहा था कि अहमदाबाद में इतने गुजराती नहीं रहते हैं जितने मुंबई में रहते हैं । लखनऊ में जितने उत्तर भारतीय नहीं रहते जितने अकेले मुंबई में रहते हैं । ...(**व्यवधान**)

श्री जगेश देसाई : पहले गुजरात और महाराष्ट्र की राजधानी बम्बई ही हुआ करती थी ।

श्री सिकन्दर बख्त : मैं कहता हूं कि प्रमोद महाजन जी बैठ जांय । इनको बोलने दीजिए । ...(**व्यवधान**)...

श्री जगेश देसाई : सारे भारतवर्ष के लोग पहले से ही वहां पर रहते हैं । ...(**व्यवधान**)...

उपसभापति : आप बोलिए, बोलिए ।

श्री सिकन्दर बख्त : इनका भाषण खत्म हो गया ? ...(**व्यवधान**)...

SHRI JAGESH DESAI: He is misguiding the House. (*Interruptions*) Earlier, Gujarat and the Bombay region of Maharashtra were one.

SHRI PRAMOD MAHAJAN: Madam, who is in the Chair? Jagesh Desai or you? He is behaving as if he is in the Chair. (*Interruptions*)

SHRI JAGESH DESAI: Today, he has got a chance... (*Interruptions*)... You are not speaking from your heart. ...(*Interruptions*)...

उपसभापति : बोलिये । बोलिये... (**व्यवधान**) अब आप बोलिय (**व्यवधान**)

SHRI SIKANDER BAKHT: Madam, let him complete his speech.

SHRI PRAMOD MAHAJAN: Your advisers have come. You speak first.

SHRI V. NARAYANASAMY: Let the Chair say, you need not say.

उपसभापति : अच्छा अब आप बोलिये (**व्यवधान**)

श्रीमती सुषमा स्वराज (हरियाणा) आपका माइक ओन है, बोलिये ताकि हम जवाब दे सकें (**व्यवधान**) सुन ही नहीं रहे हैं कि आप बोल क्या रहे हैं (**व्यवधान**) आप बोलिये ।

श्री जगेश देसाई : हमेशा महाजन जी बोल सकते हैं (**व्यवधान**) हम अगर सही बात बताते हैं तो गलत बोलते हैं (**व्यवधान**) यह क्या तरीका है आपका ? (**व्यवधान**)

श्रीमती सुषमा स्वराज : हम तो कह रहे हैं कि आप बोलिये । आपको की बात सुनेंगे तो प्रमोद जी जवाब देंगे (**व्यवधान**)

श्री जगेश देसाई : कितने गुजराती हैं बम्बई में ? (**व्यवधान**)

THE DEPUTY CHAIRMAN: I think, it is entirely my prerogative to allow any Member to speak. ... (*Interruptions*)... Every Member should sit down. ...(*Interruptions*).. That is better. *Bholiye.*

SHRI VIREN J. SHAH: But it is also the prerogative of Jagesh Desai.

श्री प्रमोद महाजन : उपसभापति महोदया, मैं यह कह रहा था कि महाराष्ट्र को छोड़ कर भी हिन्दुस्तान के बहुत से प्रान्तों के लोग बम्बई में रहते हैं । मैं तो यहां तक कह सकता हूं कि हिन्दुस्तान के सात लाख गांवों का कोई न कोई एक आदमी आज बम्बई में रहता है । बम्बई में रहने के कारण मुझे इस बात का गर्व है, बम्बई शब्द भी उत्तर भारत से आया है, कि बम्बई आज एक छोटा हिन्दुस्तान है । इस छोटे हिन्दुस्तान ने इस बार शिव सेना-भारतीय जनता पार्टी को 34 में से 32 सीटों पर विजय दिलाई है, वह सारे हिन्दुस्तान के वोटरों का प्रतिनिधित्व करते हैं । इसलिए वहां बैठ जो महाराष्ट्र से संबंधित नहीं हैं उनके मन में कोई चिन्ता नहीं है । वह सुख और चैन से वहां रह रहे हैं और ऐसे ही आगे भी रहेंगे । कोई चिन्ता करने की बात नहीं है । तमिलभाषियों की बात उठाई गई । मैं उनको बताना चाहता हूं कि धारावी से इस बार हम जीते हैं । जो भी गैरमराठी भाषी हैं उनका भारतीय जनता पार्टी और शिव सेना को समर्थन मिला है । इस कारण इस प्रकार की चिन्ता की कोई बात नहीं है (**व्यवधान**) अब सवाल यहां जिस प्रश्न को लेकर उठाया गया है जो बम्बई में एक करोड़ लोग बसे हैं उनके बारे में नहीं है, उनके बारे में भी नहीं है जो दो-ढाई हजार लोग वहां रोज आते हैं । यह केवल एक समस्या है । आज बम्बई का किसी भी भाषा का नागरिक हो, वह इससे चिन्तित है । दिल्ली, कलकत्ता, मद्रास जिसकी जमीन बहुत है, बम्बई ऐसा शहर नहीं है। बम्बई एक द्वीप है । अब इस द्वीप पर एक करोड़, दो करोड़, 10 करोड़, 50 करोड़ लोगों के रहने की सीमा है । जैसे कि सलीम साहब ने बिल्कुल ठीक कहा कि जब आप ग्रामीण इलाकों में कुछ नहीं रखोगे तो लोग शहरों की ओर भागेंगे । You cannot export anything from the rural areas but only population can be exported.

इसलिए इस बात की हम को जानकारी है । इसलिए बम्बई में आने वाले किसी के लिए परमिट नहीं लगा है और न लगाने का कोई इरादा है । सवाल इतना है कि एक करोड़ की बस्ती है, आगे जा कर कितने लोग इस पर रह सकेंगे ? इस दृष्टि से सब को मिल कर इस अरबनाइजेशन की समस्या पर विचार करना चाहिये । इसमें इसको छोड़ कर इससे ज्यादा कोई भी मुद्दा नहीं है । सारे हिन्दुस्तान की जनता ने हम को समर्थन दे कर वहां चुना है । जो हारे हैं, वह हारने के कारण अपनी हताशा अगर इस सदन में व्यक्त कर रहे हैं तो इसका कोई भी असर नहीं होगा, न हिन्दुस्तान की जनता पर कोई असर होगा और न बम्बई की जनता के ऊपर होगा । बहुत-बहुत धन्यवाद । (**व्यवधान**)

SHRI S. JAIPAL REDDY: Madam,6

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Gurudas Das Gupta, asked me to permit him even before you asked me.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Madam, I will be very brief.

श्री विष्णु कान्त शास्त्री : हम लोग भी अब बोलेंगे (**व्यवधान**) ।

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी (उत्तर प्रदेश) : मैं भी बोलना चाहूंगा (**व्यवधान**)

उपसभापति : बोलिये, बोलिये ।

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी: मेरा भी नाम लिख लीजिये ।

उपसभापति : ठीक है लिख लेती हूं ।

श्रीमती सुषमा स्वराज : प्रमोद जी के इतने स्पष्टीकरण के बाद . . . (**व्यवधान**)

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी : जीरो आवर को महत्व आपने इसी तरह से दिया हुआ है . . . (व्यवधान) . . .

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Madam, I have listed. (*Interruptions*)..

THE DEPUTY CHAIRMAN: Just one minute, please. I am very sorry to say that Members level allegations against the Chair that I have taken this Zero Hour. Today, some Members raised the issue from this side. Tomorrow, it will be your chance. So, please do not put allegations on the Chair. I am sorry. (*Interruptions*)

SHRI TRILOKI NATH CHATURVEDI: I am the last person to make any allegation.

उपसभापति : एक मिन्ट मेरी बात सुनिए पहले आप । I am the most aggrieved person, sitting in the Chair, presiding over an unruly House. You cannot understand it. (*Interruptions*) I do not want Members to make allegations on the Chair saying this is what I want. I do not want it. Yesterday also, I said that I did not want Members to associate. (*Interruptions*). Some Members want to continue this subject of association and disassociation and agreement and disagreement. I am not agreeable to it. When it comes to other Members, they want some rules. When it comes to their own personal grievances, they have some other opinion. Let us have one rule. But do noe put it on me. For me, I had three names. (*Interruptions*). Sikander Bakht Saheb, there were three names with me—Mr. Ahluwalia, Mr. Md. Salim and Mr. V. Narayanasamy. When I was sitting here, Mr. Pramod Mahajan asked me to permit him. He comes from Bombay. He was agitated. Out of the way I permitted him. Now, somebody from their own party says that I have done something wrong. I am sorry. I am very sorry. (*Interruptions*)

श्री सिकन्दर बख्त : सदर साहिबा मैं यह कह रहा हूं कि अगर मेरी पार्टी के किसी मेम्बर ने कहा है तो मैं उसके लिए माफी मांगने के लिए तैयार हूं . . .

†[] Transliteration in Arabic Script.

شری سکندر بخت :۔ صدر صاحبہ۔ میں یہ کہہ رہا کہ اگر میری پارٹی کے کسی ممبر نے کہا ہے تو میں اُس کے لیے معافی مانگنے کے لیے تیار ہوں۔

उपसभापति : नहीं गुस्से में कह दिया आई डोंट माइंड । माफी मत मागिए ।

श्री सिकन्दर बख्त : इतनी नाराजी का इजहार करने की जरूरत नही है । मैं इसके लिए माफी मांग रहा हूं ।

شری سکندر بخت :۔ اتنی ناراضگی کا اظہار کرنے کی ضرورت نہیں ہے میں اس کے لیے معافی مانگ رہا ہوں۔

उपसभापति : मैं नाराज नहीं हूं आप पर . . . (**व्यवधान**) मैं नाराज हो हो रही हूं क्या ?

प्रो. विजय कुमार मलहोत्रा : हम तो इतना ही कह रहे है कि अगर आपउनको मौका दें तो हमें भी मौका दें . . . (**व्यवधान**) अगर आप उन्हे भी मौका दे रही तो उसके बाद हमें भी मौका जरूर दें . . . (**व्यवधान**)

श्री विष्णु कान्त शास्त्री : मैं आपसे एक प्रार्थना करना चाहता हूं कि इतने लोग दूसरी तरफ से बोले हैं, हमारी तरफ से केवल प्रमोद महाजन जी बोले हैं (**व्यवधान**) मैं बहुत कम बोलता हूं । अगर वे लोग और बोलेंगे तो हम लोगों को भी बोलने का अवसर देना चाहिए । हमको अगर बोलने का अवसर नही दिया गया तो . . . (**व्यवधान**)

उपसभापति : एक मिनट । देखिए, सवाल यह है कि हाउस का टाइम आपका है, मेरा नहीं, है । मैंने कल भी कहा है आप कुछ भी बोलिए हाउस में, मुझे प्रेसाइड करना है । आप दिन भर कुछ भी बोलते रहिए । गवर्नमेंट की बिजिनेस करनी है, आपके दूसरे लोगों के स्पेशल मेन्शंस हैं . . .

I try to take upon myself and my throat to allow everybody else busi-

ness to be done. It is entirely in your hands. I have no objection. I am not angry, not even anguished. ...(*Interruptions*)

श्री विष्णु कान्त शास्त्री : यह बात सबको समझनी चाहिए... (**व्यवधान**)

श्री दीपांकर मुखर्जी (पश्चिम बंगाल) अगर इनको परमिशन दी गई तो हम भी बोलेंगे ... (**व्यवधान**)

श्री दिग्विजय सिंह (बिहार) : मैडम इधर भी कुछ सीरियस बातें हैं इस पर ... (**व्यवधान**) ..

THE DEPUTY CHAIRMAN: Now let me decide. I have the name of Mr. Satish Pradhan. Mr. Gurudas Das Gupta has already asked for permission. Mr. Jaipal Reddy wants to speak. (*Interruptions*). You have also asked me. Mr. Shastri is asking for permission. Mr. Sibtey Razi wants to speak.

प्रो० विजय कुमार मल्होत्रा : हमने भी कहा हुआ है आपसे ।

श्री विष्णु कान्त शास्त्री : मैंने भी कहा है ।

उपसभापति : आपने भी कहा है, चतुर्वेदी साहब ने भी कहा है ..

श्री एच० हनुमनतप्पा (कर्णाटक) : हम भी बोलना चाहते हैं... (**व्यवधान**) महाराष्ट्र में हम लोग भी हैं.. (**व्यवधान**)

उपसभापति : आपने भी कहा है...

प्रो० विजय कुमार मल्होत्रा: (**व्यवधान**) हमको भी मौका दीजिए या तो बंद करिए इसको .. (**व्यवधान**)

श्री एस० एस० अहलुवालिया : अभी एक रिजोल्यूशन पास करना है ... (**व्यवधान**)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: I do not know. (*Interruptions*)

SHRI V. GOPALSAMY: Madam, I have also given my name.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I know. (*Interruptions*). Secondly has given his name and signature. I cannot ready it. (*Interruptions*). I am not saying 'no'. (*Interruptions*) Take a decision in the House. Take a decision. Do you want to discuss this?

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: May I begin, Madam?

श्री दिग्विजय सिंह : यह पूरे देश की आजादी का मामला है मैडम । इससे बड़ा इश्यू कोई हो ही नहीं सकता । (**व्यवधान**)

सारे हाउस का बिजिनेस एक तरफ और यह मामला एक तरफ । इससे बड़ा कोई मुद्दा है ही नहीं इस देश के सामने ।

श्रीमती सुषमा स्वराज इतने अनइक्विवोकल वे में यह कहना कि हम इसका समर्थन नहीं करते हैं, ऐसा नहीं होने देंगे, ऐसा नहीं हुआ इसके बाद इश्यू खत्म करिए, अगला इश्यू लीजिए ।

(**व्यवधान**)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Let us not waste more time. (*Interruptions*)

श्रीमती सुषमा स्वराज : जवाब आ गया है । .... (**व्यवधान**)

THE DEPUTY CHAIRMAN: If the House wants to discuss it, we can discuss it till lunch hour. But be brief. I have to accommodate everybody till then. (*Interruptions*)

SYED SIBTEY RAZI: Madam, whatever Mr. Pramod Mahajan has said, he has said it in the capacity of a Member of this House. (*Interruptions*) The question is, the Maharashtra Government has the responsibility towards the basic structure of the Constitution. (*Interruptions*) So, we cannot say that Mr. Pramod Mahajan has denied it and has said that we will not cooperate. (*Interruptions*) That is not sufficient. It is a very important issue and we want to participate in this discussion.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Okay, I will permit. Whatever names are with me, I will permit them.

श्री दिग्विजय सिंह : मैडम०, जरा इधर भी ख्याल कर लीजिए ।

उपसभापति : अच्छा । . . . (**व्यवधान**)

श्री ईश दत्त यादव : महोदया, हम इस विषय पर नहीं बोल रहे हैं । प्रमोद महाजन जी की बात हमने सुनी है । बम्बई में जहां 34 सीटें हैं . . . . (**व्यवधान**)

उपसभापति : अब आप किस पर बोल रहे हैं ? . . . . (**व्यवधान**)

श्री ईश दत्त यादव : शिव सेना और बी० जे० पी० को मुलायम सिंह के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी ने शिकस्त दी है, तो हमारी पार्टी को भी इस पर बोलने की अनुमति मिलनी चाहिए, यह हमारा अनुरोध है । . . . . (**व्यवधान**)

THE DEPUTY CHAIRMAN: We are not discussing poll results. Shri Gurudas Das Gupta. Mr. Gupta, you are allowed to speak for two minutes because I have so many names.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: (West Bengal): Madam, I have listened attentively to the speech made by Mr. Pramod Mahajan and I am terribly disappointed that there has been no decision. That was his answer. I agree that there has been no decision. But there has been a talk, a new idea has been floated by the new rulers of the new Government, elected in the last elections, now ruling Maharashtra. (*Interruptions*)

SHRI VIREN J. SHAH: During Jawaharlal Nehru's time, a suggestion did come up. The idea was floated but that idea was not accepted. (*Interruptions*)

SHRI DIGVIJAY SINGH: Who had floated that idea? Can you tell me? Let me ask him. (*Interruptions*)

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Madam, therefore, the point is, there has been no decision. But there has been an idea floated by the so-called majority-ruling combination of Maharashtra. This is where the danger lies. This is where the talk of a layman in the streets of Bombay, there was no reason for us to take him seriously. So, either we take this suggestion seriously or we say that the people who are running the Government are a bunch of irresponsible people. If we take the Government seriously, we should also take this idea floated by them seriously. This is number one. Number two, what is the implication? The first implication is a change in the name of Bombay. The second implication is there is going to be permits for the Indian who will be entering Bombay from outside Maharashtra! That is the implication. What does it mean?

SHRI VIREN J. SHAH: Mr. Pramod Mahajan categorically denied it. (*Interruptions*)

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: I have never said that a decision has been made. I am only saying that a suggestion has been made. Can it be denied? Can it be denied that there is a suggestion? And, since there is a suggestion, I am giving my opinion on that. (*Interruptions*) we have to take the suggestion seriously because before the demolition of the Babri Masjid, the idea of demolition was floated. Therefore, we have to take the idea seriously. Thirdly, the important point is and I must say very frankly...

श्री संघ प्रिय गौतम : आपके चिल्लाने से भारतीय जनता पार्टी की सरकार रुकने वाली नहीं है । . . . . (**व्यवधान**)

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Madam, I must say very frankly that this is the price the BJP will have to pay for uniting with the most bel-ligerent, chauvinistic nationalistic and a thoroughly anti-national political force as represented by*.

(*Interruptions*)

*Not recorded.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I won't permit names to be taken. No names should be taken. ...(*Interruptions*). I object to names being taken.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: I withdraw the name. Madam, I am withdrawing. ...(*Interruptions*)...

SHRI DIGVIJAY SINGH: Why are you withdrawing it? He is saying it publicly.

THE DEPUTY CHAIRMAN: No, it is not going on record.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: This is the political price the BJP will have to pay for uniting with this combination of power which, in my opinion, is belligerent, anti-Indian, chauvinistic and disruptive and at war, showing the whole nation its traditional history.

Madam, my last point is.....

उपसभापति : बस-बस आपकी बात हो गयी।

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Just one minute. Last point. Madam, my last point is this. The very suggestion, that there should be a permit, is disruptive because immediately it will strengthen the chauvinistic forces in other parts of the country. Similarly, there will be a talk, "We shall not be sending coal to Bombay." There are so many other forces, not only yours. There are many other chauvinistic forces in other parts of the country. They will say, "Since Bombay does not have coal, we shall not be sending coal to Bombay. If we send you coal, you will have to pay import duty." (*Interruptions*)... Therefore, Madam, India's unity stands on a very fragile foundation today. Amongst Muslims, Hindus, Sikhs and Christians, there is a terrible note of chauvinism, forces. We have the problem of Kashmir. The problem of Kashmir is being worked out by the imperialist forces. Pakistan is there. ...(*Interruptions*)...

श्रीमती सुषमा स्वराज : मैडम, ये क्या हो रहा है? आप बोलने क्यों दे रही हैं ....(व्यवधान)....

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Madam, in such a situation,..... (*Interruptions*)

श्री सिकन्दर बख्त : सदर साहिबा, यह कौन से इश्यू पर बोल रहे हैं?

उपसभापति : बस-बस आपकी बात हो गयी।

SHRI DIGVIJAY SINGH: Why are they worried about it? (*Interruptions*)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please conclude. I have to call other people.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Madam, I am finishing it.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Finish it. I will allow Sikander Bakht Sahib now. ...(*Interruptions*)..

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Madam, in such a situation of hypervolatility, of rising communal and disruptive forces, this suggestion is too dangerous to be overlooked. Therefore, Madam, I take this opportunity to condemn totally the very suggestion and the talk emanating from the centre of power in Maharashtra, the present Bombay. And to speak of.. (*Interruptions*)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: That is over now. Sikander Bakht Sahib. ... (*Interruptions*)... Mr. Sikander Bakht.

SHRI S. JAIPAL REDDY: Madam, you have not called me.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I will call him first.

SHRI SANGH PRIYA GAUTAM: With the condition that after the Leader of the Opposition, nobody would be allowed to speak.

उपसभापति : आय एम. सॉरी, आप कोई कंडीशन नहीं लगा सकते।

I will call him. Till 1.30 how many persons I can call?... (*Interruptions*)...

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Madam.....

THE DEPUTY CHAIRMAN: No, no; I am not allowing anything.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Madam, I have given a copy of the Resolution. I seek your permission to move it.

THE DEPUTY CHAIRMAN: No, I am not allowing. We have no resolution. ... (*Interruptions*)... I am not allowing you. ... (*Interruptions*). We have no such practice of moving a resolution. ... (*Interruption*)

प्रो० विजय कुमार मल्होत्रा : मैडम, आपने इनके बाद हमें बोलने के लिए कहा था। मैडम, अब आप मुझे बोलने दें।

THE DEPUTY CHAIRMAN: Never mind. I am asking him. Let him speak.

आप उनके बाद बोल लीजिएगा।

श्री सिकन्दर बख्त : सदर से रहिवा, इस मसले पर जितनी आग उठी है मैं चाहता था कि उसको ठंडा किया जाए। अभी प्रमोद महाजन साहब का भाषण हुआ, लेकिन यहां तो इस कदर आफ द मार्क बातें कही जा रही हैं। और कहां-कहां की बातें लेकर आ रहे हैं। मैं कोई गरम और सख्त बात नहीं करना चाहता। मुझे अफसोस यह है कि एक नान-इश्यू को इतना फैला दिया गया है कि डिटेल को कोई देखने को ही तैयार नहीं कि यह क्या है। यही सही बात है। .... (**व्यवधान**)..

†[ ] Transliteration in Arabic Script.

†[شری سکندر بخت: "جاری"... اور کہاں کہاں کی باتیں کر رہے ہیں۔ میں کوئی گرم اور سخت بات نہیں کرنا چاہتا ہوں۔ مجھے افسوس یہ ہے کہ ایک نان ایشو کو اتنا پھیلا دیا گیا ہے کہ ڈیٹیل کو کوئی دیکھنے کو ہی تیار نہیں کہ یہ کیا ہے۔ یہی صحیح بات ہے..."مداخلت"...

उपसभापति : प्लीज, सुन लीजिए। सिकन्दर बख्त साहब जो कह रहे हैं, सुन लीजिए। .... (**व्यवधान**).... शांति से उनकी बात सुन लीजिए।

श्री सिकन्दर बख्त : मैडम, मुझे आखिर में सिर्फ दो शब्द बोलने की परमीशन दें।

شری سکندر بخت: میڈم، مجھے آخر میں صرف دو شبد بولنے کی پرمیشن دیں۔

उपसभापति : आप बाद में बोलेंगे, ठीक है। प्रधान साहब, बोलिए।

प्रो० विजय कुमार मल्होत्रा : मैडम, मेरी बारी थी।

उपसभापति : आपकी बारी है, ऐसी बात नहीं है। .... (**व्यवधान**).... ।

I am sorry. .(*Interruptions*)... There is no such procedure. It is entirely up to me. I will now call the Shiv Sena Member. He has a right to speak.

श्री सतीश प्रधान (महाराष्ट्र) : धन्यवाद मैडम। आज इस सदन में जो विषय उठाया गया है, मैं बहुत चिंतित हूं क्योंकि इस विषय पर यहां गलत ढंग से चर्चा हो रही है। मैडम, दो विषय हैं। जिस विषय पर चर्चा है, उसके दो भाग हैं। पहला भाग, उसमें जो है वह विदेशियों के बारे में है, जो हमारे देश के नागरिक

नहीं है। आज यह उनके बारे में विषय उठाया गया है। हां, अवश्य हमारा यह कहना है कि जो इस देश के वासी नहीं हैं, जो इस देश के नागरिक नहीं हैं, जो बांगला देश से या पाकिस्तान से यहां आकर रह रहे हैं, सालों से यहां हैं, जिनके बारे में कई बार हमारे प्रधानमंत्री जी, हमारे गृह मंत्री जी और कई बार अलग अलग मुख्यमंत्री जो महाराष्ट्र में आज तक हुए हैं उन्होंने बताया है कि मुम्बई में लाखों ऐसे विदेशी लोग आकर यहां रह रहे हैं, उन्हें राशनकार्ड दिया गया है, उनके नाम वोटर-लिस्ट में डाले गए हैं, जिनके बारे में सब नेताओं ने अभी तक कई बार बताया है, लेकिन उनको आइडेंटिफाई करके बाहर निकालने की जो कोशिश होनी चाहिए थी, वह अच्छे ढंग से हुई नहीं। हमारा यह दावा है, हमारा ऐसा कहना है और आज भी भी हम कहते हैं कि हम उनको आइडेंटिफाई करके यहां से निकालना चाहते हैं। मुझे ऐसा लगता है कि इस देश का कोई भी निर्णय किसने करना है, तो इस देश के देशवासियों ने ही उसका निर्णय करना है। विदेशियों को यहां आकर यहां की कौनसी गवर्नमेंट हो या कौनसा निर्णय किस ढंग से हो, इसके बारे में निर्णय करने का उनको कोई अधिकार नहीं होना चाहिए। यह हमारी आज तक की मांग थी और आज भी हम उसके मुताबिक चलकर आगे बढ़ने की कोशिश करेंगे। मुझे पूरा विश्वास है कि सदन का कोई भी सदस्य इस विषय को गलत नहीं कहेगा। . . . (**व्यवधान**) . . .

SHRI S. S. AHLUWALIA: Madam, it is a serious matter. (*Interruptions*).

THE DEPUTY CHAIRMAN: Let him finish. (*Interruptions*).

श्री एस. एस. अहलूवालिया : महोदया कुछ दिन पहले पुलिस ने माइनोरिटि के लोगों को जाकर पूछा था। . . (**व्यवधान**)

श्री सिकन्दर बख्त : सदय साहिबा, मैं आप से दरख्वास्त कर रहा हूं कि आप इन्हें बैठा दीजिए। हर वक्त खड़े हो जाते हैं। . . . (**व्यवधान**) . . .

†شری سکندر بخت : - صدر صاحبہ - میں آپ سے درخواست کر رہا ہوں کہ آپ انہیں بیٹھا دیجئے ہر وقت کھڑے ہو جاتے ہیں۔ . . "مداخلت" . . .

श्री एस० एस० अहलूवालिया : खड़े हो जाते हैं, आपकी परमीशन लेकर नहीं खड़े होंगे।

†

श्री सिकन्दर बख्त : सदर साहिबा से परमीशन लीजिए। . . . (**व्यवधान**) . . .

†شری سکندر بخت : - صدر صاحبہ سے پرمیشن لیجئے . . . "مداخلت" . . .

श्री एस० एस० अहलूवालिया : इस धमकी में नहीं आने वाला। (**व्यवधान**) मेरा अधिकार है, जैसे आपका अधिकार है। मेरा भी अधिकार है बोलने का। (**व्यवधान**)

श्री विष्णु कान्त शास्त्री : कांग्रेसी लोग पाकिस्तान और बंगला देश के लोगों के वोट पर चुने जाते हैं। . . . (**व्यवधान**) . . .

श्री एस० एस० अहलूवालिया : मैं इसलिए कह रहा हूं, मैडम, . . (**व्यवधान**) . .

THE DEPUTY CHAIRMAN: Let him complete. (*Interruptions*).

श्री अजीत जोगी (मध्य प्रदेश) : मैडम, इस पर गंभीरता से सोचना पड़ेगा कि हर मुसलमान के पास जाकर अगर पुलिस यह पूछेगी कि तुम यह बताओ कि तुम पाकिस्तानी हो या नहीं। . . (**व्यवधान**) . . .

THE DEPUTY CHAIRMAN: Let him finish. (*Interruptions*) . . .

†[] Transliteration in Arabic Script.

श्री एस०एस० अहलुवालिया : जिनका राशन कार्ड है, जिनका वोटर लिस्ट में नाम हैं, वे भारतीय हैं । **(व्यवधान)**

SHRI V. NARAYANASAMY: Madam, they are living there for the last 50 years. The peope are being harassed.

श्री वीरेन जे. शाह : जब सऊदी अरब ने सैकड़ों मुसलमानों को भारत में भेज दिया, तब तो कुछ बोले नहीं । **(व्यवधान)** हम मुसलमानों की बात नहीं कर रहे हैं, हम विदेशियों की बात कर रहे हैं । **(व्यवधान)**

SHRIMATI SUSHMA SWARAJ: How would you identify them?

SHRI V. NARAYANASAMY: The BJP and the Shiv Sena alliance... (*Interruptions*).

श्री एस०एस० अहलुवालिया : मैडम, उसमें यह बात कहां लिखी हुई है कि जिनका बीजा समाप्त हो गया है उनको वापिस भेजा जायेगा **(व्यवधान)** यह नया क्लेरिफिकेशन इसका दे रहे हैं । **(व्यवधान)**

THE DEPUTY CHAIRMAN: Let him finish. (*Interruptions*).

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल : मैडम, यह बहुत सीरियस मामला है । ... **(व्यवधान)**

شری محمد افضل عرف م - افضل :- میڈم - یہ بہت سیریس معاملہ ہے ۔ .... " مداخلت " ..

श्री अजीत जोगी : कि वह हिन्दुस्तानी या पाकिस्तानी **(व्यवधान)**

श्री राम दास अग्रवाल : हिन्दू-मुसलमान का सवाल किसने खड़ा किया हैं ; केवल मुसलमानों की पैरवी करने की बात करते हैं आप । **(व्यवधान)** किसी ने नहीं कहा कि मुसलमान नहीं रह सकते, हिन्दू भी बाहर से आया हुआ है । ... **(व्यवधान)**

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please sit down. (*Interruptions*). Please sit down. Please sit down. (*Interruptions*). I said please sit down (*Interruptions*).

श्री एस०एस० अहलुवालिया : अपनी भारत मां समझा और हिन्दुस्तान में रह रहे हैं, उस शख्स से क्या यह जाकर पूछा जायेगा कि तुम बताओ कि तुम हिन्दुस्तानी हो या नहीं हो, तुम उसका प्रमाण कराओ, यह धिक्कार वाली बात है । ... **(व्यवधान)**

श्री राम दास अग्रवाल : अगर विदेश से कोई आया है तो उसे नहीं रहने देना चाहिये । **(व्यवधान)**

उपसभापति : अग्रवाल जी, उनकी बात पूरी होने दीजिये । **(व्यवधान)** बात पूरी होने दीजिये । (व्यवधान) I don't want to hear anything.

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल : दिल्ली में 4.50 लाख लोगों के नाम निकाले गये थे आपकी सरकार थी और 4.50 लाख लोगों के नाम निकाले गये और दोबारा लिखवाये गये । आप सब एक ही थाली के चट्टे-बट्टे है । अगर आपने तब नहीं किया होता तो आज यह हाल नहीं होता । लगाइये आप टाटा । आपने किशन गंज में नोटिसिस दिये, भोपाल में दिये ... **(व्यवधान)**

شری محمد افضل عرف م - افضل :- دلی میں ۵۰ ۴ لاکھ [illegible] گئے تھے آپ کی سرکار تھی اور ۵۰ ۴ لاکھ لوگوں کے نام نکالے گئے اور دوبارہ لکھائے گئے - آپ سب ایک ہی تھالی کے چٹے بٹے ہیں - اگر آپ نے تب نہیں کیا ہوتا تو آج یہ حال نہیں ہوتا - لگائیے آپ ٹاٹا آپ نے کشن گنج میں نوٹسز دیئے - بھوپال میں دیئے .. " مداخلت " ...

†[] Transliteration in Arabic Script.

उपसभापति : बैठ जाइये, बैठ जाइये । (**व्यवधान**) . . . अफजल साहबबैठ जाइये। . . (**व्यवधान**) . . . .

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल : यह सब आपका बोया हुआ है जिसको आज पूरे मुल्क को काटना पड़ रहा है । . . . (व्यवधान) . . . .

شری محمد افضل عرف م۔ افضل :۔ یہ سب آپ کا بویا ہوا ہے جس کو آج پورے ملک کو کاٹنا پڑ رہا ہے ۔ . . . .

उपसभापति : मिस्टर अफजल, बैठ जाइए । . . (व्यवधान) उनको बोलने दीजिये । अभी एक मिनट खामोश रहिये ।

श्री सतीश प्रधान : मैडम, बहुत सारे सदस्य मेरे से सीनियर हैं, ये सब सीनियर सदस्य जरा सदन की गरिमा रखते हुये, अगर यही बात करेंगे तो अच्छा रहेगा नहीं तो सदन की गरिमा का क्या होगा, मुझे चिंता है ।

मैडम, मैंने अभी तक जो भी कुछ बात की, यह बात करते समय मैंने शायद यह ख्याल रखा है और मैंने किसी भी कौम का, किसी भी जात का उल्लेख नहीं किया, मैंने सिर्फ विदेशी नागरिकों के बारे में बात छेड़ी है । किसी विशिष्ट व्यक्ति के लिये, जात के लिये या कौम के लिये मैंने बात की, इन्हें ऐसा लग रहा है, मुझे पता नहीं, उनके दिल को ठेस क्यों पहुंच रही है, यह भी मुझे मालूम नहीं है । मैं इस विषय में आज ज्यादा अंदर नहीं जाना चाहता । अभी जो मैं शुरू से बात कर रहा हूं उसमें दूसरी बात यह है कि मुम्बई में आने वाले नागरिकों के लिये परमिट सिस्टम होगा, ऐसा कहा जा रहा है, उसके बारे में चर्चा यहां उठ रही है । मैं इस सदन में फिर से, दोबारा यह बताना चाहता हूं क्योंकि आज सुबह जब अखबार में यह बात आई, उसके बाद मैंने मुख्य मंत्री श्री मनोहर जोशी से बात की । जब अखबार में यह बात आई तो मैंने इसके बाद मुख्य मंत्री जोशी जी के साथ बात की । अभी तक इस विषय में महाराष्ट्र सरकार ने, केबिनेट ने कोई निर्णय नहीं किया है, ऐसा उन्होंने मुझे बताया है । तो मैं यहां सदन में बतलाना चाहता हूं कि अभी तक इसके बारे में कोई निर्णय हुआ नहीं है । फिर भी . . (व्यवधान) . . .

श्री एस. एस. अहलुवालिया : विचाराधीन है ।

SHRI SIKANDER BAKHT: Madam, let him say ...(*Interruptions*)...

SHRI SANGH PRIYA GAUTAM: Why is he interfering?...(*Interruptions*)... What is this ...(*Interruptions*)...

SHRI V. GOPALSAMY: Did your Government...(*Interruptions*)...

श्री सतीश प्रधान : गोपालसामी, प्लीज लीसन, आप पोलटिक्स करते हैं, मैं भी पोलिटिक्स करता हूं । मुझे मालूम है मुझे क्या बोलना है । आपको जो चाहिये वह मैं नहीं बोलूंगा । मुझे जो चाहिये वह मैं बोलूंगा ।

This is not the way...(*Interruptions*)...

मैडम, मैं यह बताना चाहता हूं कि मुम्बई इस देश की आर्थिक राजधानी करके बोली जाती है । मुम्बई की आबादी आज एक करोड़ से ऊपर हो गई है । मुझे याद है जब पंडित जवाहर लाल नेहरू जी इस देश के प्रथम प्रधानमंत्री थे, तभी से . . . (व्यवधान) . . मैं बराबर आपको याद दिलाना चाहता हूं । आप बहुत सारी बात भूल जाती हैं ।

[ ] Transliteration in Arabic Script.

तभी से आज तक मुम्बई की आबादी जिस ढंग से बढ़ रही है। यह कंट्रोल करने की आवश्यकता है। इसके विषय में कई चर्चायें हुई। यह सब चर्चा होते हुये भी आज तक उसके बारे में कहीं भी फाईनल डिसीजन किसी का नहीं हुआ। हमारे महाराष्ट्र के जितने... (व्यवधान)

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: That is the matter. The cat is out of the bag... (*Interruptions*)...

SHRI SANGH PRIYA GAUTAM: Let him speak... (*Interruptions*)...

SHRIMATI SUSHMA SWARAJ: He has referred to the earlier decision... (*Interruptions*)

इतनी क्या जरूरत है हेजिटेट करने की।

SHRI SANGH PRIYA GAUTAM: Mr Gurudas Das Gupta, you have no right... (*Interruptions*)...

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: How do you defend it now?... (*Interruptions*)... He is corroborating our allegations... (*Interruptions*)...

SHRIMATI SUSHMA SWARAJ: He has not referred to the recent decision... (*Interruptions*)...

श्री सतीश प्रधान : आप जरा सुन तो लो। सुनने के लिये आपको क्या तकलीफ है ? मैडम, अभी तक महाराष्ट्र में... (**व्यवधान**)

DR. BIPLAB DAS GUPTA: He has suggested ... (*Interruptions*)... The BJP also stands on this issue. (*Interruptions*)... Now you are saying that they want it... (*Interruptions*)... ...

SHRI V. GOPALSAMY: Madam, give me just five minutes... (*Interruptions*)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Many names are there. I have said that I will allow it till 1.30 ... (*Interruptions*)... Let him speak (*Interruptions*)...

श्री सतीश प्रधान : हमें यह नहीं भूलना चाहिये। .. (**व्यवधान**)...

उपसभापति : बैठ जाइये। उनको बोलने दीजिये।

Interruptions)... Let him speak.

श्री सतीश प्रधान : इसके विषय में चर्चा करके कोई न कोई रास्ता निकालने की नितांत आवश्यकता है। जब तक हम ऐसा रास्ता ढूंढकर नहीं निकालते, उसके ऊपर अंतिम निर्णय नहीं करते, तब तक मुम्बई का जो सवाल है वह हल करने के लिये केन्द्र सरकार को इस बात की आवश्यकता है कि उसके लिये कितना ज्यादा पैसा दिया जा सकता है, यह मैं जानना चाहूंगा केन्द्र सरकार की तरफ से। ... (**व्यवधान**)...

SHRI JIBON ROY: You are putting conditions... (*Interruptions*)

SHRI SATISH PRADHAN: I am saying the real position.

ये सब उसके लिये क्या कर सकते हैं, इस बारे में आपको सोचने की आवश्यकता है। मुम्बई में या दिल्ली में या कलकत्ता में या दुनिया के जगह-जगह से जो लोग आकर तंगबाजी करते हैं, इसको रोकने के लिये देश के विकास का ताना-बाना जो बनाते हैं।... (**व्यवधान**)...

उपसभापति : अभी बस।

श्री सतीश प्रधान : एक ऐसे समय में आज गांव-गांव में भी कैसे उनको रोजगार दिया जाये, इसके बारे में कुछ सोचने व निर्णय करने की आवश्यकता है। वहां इस बारे में तो हम निर्णय नहीं करते हैं और यहां चर्चा करते हैं। इस चर्चे से कुछ हल नहीं निकलेगा।

THE DEPUTY CHAIRMAN: Now, four minutes only left. Jaipalji.

आप बोल दीजिये, सिकन्दर बख्त साहब बोल दें, बात खत्म ।. . . (**व्यवधान**) . . . अभी कैसे बोलेंगे ? टाइम नहीं है । . . . (**व्यवधान**) . . .

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : दो बजे तक रखिये । पन्द्रह मिनट बढ़ाइये लंच को ।
. . . (**व्यवधान**) . . .

THE DEPUTY CHAIRMAN: I know, I told that I would allow everybody But, at 2.30 p.m., we will have to start the other discussion.

DR. BIPLAB DASGUPTA: Give me one minute.

SHRI S. JAIPAL REDDY (Andhra Pradesh): Madam, the House is deeply distrupted over this issue because of the track record of the Shiv Sena. The Shiv Sena, for the last two decades, has been known for its anti-pathy towards all non-Maharastrians in Bombay. People from South India and North India were persecuted on innumerable occasions by the Shiv Saniks... (*Interruptions*)

प्रो० विजय कुमार मल्होत्रा : वहां तो कांग्रेस की गवर्नमेंट थी । शिवसेना पावर में नहीं थी । . . . (**व्यवधान**) . . .

श्री विष्णु कान्त शास्त्री : कांग्रेस ने क्या किया? . . . (**व्यवधान**) . . .

श्री दीपांकर मुखर्जी : हम शास्त्री जी को बोलने नहीं देंगे । . . (**व्यवधान**) . . उनको बोलने दीजिये आप ।
. . . (**व्यवधान**) . . .

श्री विष्णु कान्त शास्त्री : आपने पचास बार रोका प्रमोद को, पचास बार रोका आपने । . . . (**व्यवधान**) . . . कांग्रेस और शरद की. . . (**व्यवधान**) . . .

SHRI S JAIPAL REDDY: I never disturb anybody.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Yes, Mr. Jaipal Reddy never disturbs anybody.

SHRI S. JAIPAL REDDY: The clarifications offered by the hon. Member of the Shiv Sena has, in fact, confirmed and reinforced our worst fears. That is the tragedy, Madam. I wish the Shiv Sena had become more responsible after getting into power. Power has not sobered the Shiv Sena but the power has gone into their heads and inebriated them illimitably. The point is, Madam, they are equating the so-called illegal foreign residents with the Indian citizens. Both of them are on the same footing... (*Interruptions*)

श्री विष्णु कांत शास्त्री : यह बात बिल्कुल गलत है । . . . (**व्यवधान**) . . .

श्री रामदास अग्रवाल : यह बिल्कुल गलत बात है । . . . (**व्यवधान**) . . .

श्री विष्णु कान्त शास्त्री : यह बिल्कुल गलत है । . . . (**व्यवधान**) . . आप किसकी बात कर रहे हैं । . . . (**व्यवधान**) . . . आप किसकी बात कर रहे हैं . (**व्यवधान**) . . कहिये, लेकिन सही कहिये । . (**व्यवधान**) . .

SHRI S. JAIPAL REDDY: Madam, I would like to tell Shastriji, through you, that I will be followed by none other than our respected Leader of the Opposition. If I am going in for any wrong formulations, I am sure he will put me right. He will state his position. Let the opportunity be given to the Leader of the Opposition. Let not others rob him of his opportunity.

SHRI AJIT P. K. JOGI: They are very hungry.

SHRI S. JAIPAL REDDY: The point is that either Mr. Pradhan of the Shiv Sena or Mr. Pramod Mahajan of the BJP did not deny the basic fact that there is a suggestion to introduce the system of permits for Indian citizens who want to enter Bombay. That suggestion has gone unrepudiated. That is the implication of the clarifications offered by the Members of both the BJP and the Shiv Sena.

SHRI SIKANDER BAKHT: No, Mr. Mahajan was very specific.

श्री संघ प्रिय गौतम : आपने सुना श्री प्रमोद महाजन को ।.... (**व्यवधान**)

श्री मोहम्मद सलीम : थोड़ी समझदारी दिखाइये ।

श्री संघ प्रिय गौतम : समझदारी वह क्यों नहीं दिखा रहे हैं ? He is a very senior Member of this House. He has very clearly stated the position. Mr. Reddy should see the record. He should have carefully heard Mr. Satish Pradhan. He should also have read the newspapers... *(Interruptions)*...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Jaipal Reddy, we have to adjourn the House... *(Interruptions)*...

SHRI DIGVIJAY SINGH: We will discuss it after 2.30 p.m.

THE DEPUTY CHAIRMAN: We will assemble, but will not discuss this issue.

SHRI S. JAIPAL REDDY: The Chief Minister of Maharashtra has conceded that the issue will be considered on a priority basis. So, this issue is a matter of paramount importance for the nation. Are we going to get the nation fragmented on the basis of language? I would like to know, Madam, whether they are aware of the immense contribution made by the non-Maharashtrians to the prosperity of Bombay. They are mainly referring to the population. But who have made the contribution to the prosperity of Bombay? Have they ever taken notice of this? We, therefore, say that any sectarian approach will not stop at that particular point. If you try to divide the people on the basis of religion, the people will soon get divided on the basis of language. They will also soon get divided on the basis of region. What will untimately happen is the danger that we pose to the integrity of the country. I am not saying all this... *(Intrruptions)*... I am saying all this in anguish and this debate will not have gone in vain if it can try to dry-clean the brains of the Shiv Sena.

श्री दिग्विजय सिंह : यह खत्म तो रहा है, अभी तक लोगों ने बोला ही नहीं है । ... (**व्यवधान**)

श्री संघ प्रिय गौतम : मजहब के नाम पर ... (**व्यवधान**) आपने मुसलमानों को ... (**व्यवधान**)

श्री दिग्विजय सिंह : महोदया, आधा मिनट तो हमें बोलने दीजिये, आपने सबको मौका दिया है । ... (**व्यवधान**)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Order in the House, please. I am not permitting anything on this. Please take your seats. No, no. One minute, please... *(Interruptions)*... We have to adjourn the House for lunch. We have to adjourn the House. Mr. Sikander Bakht, if you want to say something, if you like to say something, you can say. Otherwise, I will adjourn the House.

श्री दिग्विजय सिंह : मैडम, हमें थोड़ा बोलने का मौका दीजिये । ... (**व्यवधान**)

श्री ईश दत्त यादव (उत्तर प्रदेश) : उस पार्टी के तो कई लोग बोल चुके हैं । ... (**व्यवधान**)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Digvijay Singh, Mr. Gopalsamy, please don't get up together. I don't like this behaviour. Please sit down. You can seek my permission but don't behave like this. Please sit down... (*Interruptions*)... Please sit down ...(*Interruptions*)... Please sit down If you so agree, I will dispense with the lunch hour so that we can discuss this matter till 2.30 p.m. But we will have to start the Government business after 2.30 p.m.

एक माननीय सदस्य : लंच तो करने दीजिये ।

उपसभापति : आप जाइये, लंच खा लीजिये । आप जाइये लंच कर लीजिये । You cannot have your cake and eat it also. You decide whether you want to have the lunch hour or you want to have discussion because at 2.30 p.m. I am not allowing anything on this. (*Interruptions*).

SHRI H. HANUMANTHAPPA: For the Zero Hour, this subject has been mentioned. This has become a subject matter for discussion. And, you are adjourning even the lunch hour for that purpose!

THE DEPUTY CHAIRMAN: I have not decided. It is for the House. (*Interruptions*).

SHRI H. HANUMANTHAPPA: If the House wants to discuss, I have no objection. But if any person who has given his name is not allowed... (*Interruptions*)... and the others are allowed, it is not good. This is the point I want to make. (*Interruptions*).

THE DEPUTY CHAIRMAN: I am sorry. At 2.30, we have to start the Government Business which is pending. If you want to discuss the Zero Hour issues, you can go on. At 2.30, you cannot. Upto 2.30, you can discuss it. At 2.30 it will be Government Business. (*Interruptions*). You can give up the lunch break. (*Interruptions*). Okay. Give up the lunch break. (*Interruptions*). At 2.30, we will start the Government Business. Yes, Sikander Bakhtji, boliye. (*Interruptions*). I will call the name. I will write the name. Don't worry. Don't get agitated. I will put everybody's name, but till 2:30 ...(*Interruptions*)...

Now, please, order. Sikander Bakht Sahib, boliye.

श्री दिग्विजय सिंह : सिकन्दर बख्त साहब सिर्फ एक-दो बात कह दें कि जो शिवसेना कह रही है उससे उनका कोई ताल्लुक नहीं है । अगर इतना कह दे तो बात खत्म हो जायेगी ।(**व्यवधान**) जो बात ठाकरे कह रहे हैं उनसे उनका कोई ताल्लुक नहीं है । (**व्यवधान**)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Who is this? I can't read these ...(*Interruptions*). I won't call anybody whose name I cannot read. I am sorry. I am not going to call anybody who gives me the name and signs the papers because I cannot read. They should write their names in capital letters so that I can read them. I cannot read one handwriting. So, I don't know who it is. (*Interruptions*)

श्री सिकन्दर बख्त : सदर साहिबा, दिग्विजय सिंह साहब मुझे बहुत अजीज हैं । मैं उनको मायूस करूं यह बात मुझे बिल्कुल पसन्द नहीं है ।

श्री एस. एस. अहलुवालिया : सदन को मायूस मत कीजिये ।

श्री सिकन्दर बख्त : आप अपनी साहिबी काबिलियत थोड़ी देर तक अपने पास रखिये । (**व्यवधान**) उनको मायूस करने पर मजबूर हूं । शिव सेना से हमारा ताल्लुक है और जारी रहेगा (**व्यवधान**) आपने मुझ से सवाल किया था...

श्री दिग्विजय सिंह : मैंने यह नहीं कहा था । मैंने कहा था जो बात कही गई है शिव सेना के द्वारा उससे..(**व्यवधान**)

श्री सिकन्दर बख्त : मैं उसी पर आऊंगा । यह ताल्लुक का आपने जिक्र किया तो ताल्लुक से अलग रहने का कोई सवाल नहीं है । ताल्लुक है, ताल्लुक जारी रहेगा । सच्ची बात यह है कि हमारी पार्टी के मेम्बर प्रमोद महाजन साहब यहां बोले । उसके बाद किसी किस्म की बहस की गुंजाइश नहीं थी । लेकिन कुछ हजरात को अपनी आवाज को सुनने का ज्यादा शौक है और जेरे बहस जो मौजू होता है उससे हट कर जमीन और आसमान के कुलाबे मिला देते हैं पर एक अलाहिदा हर इशू पर बहस होती है (**व्यवधान**) मैं तो रंज के आलम में खड़ा हुआ हूं । प्रमोद महाजन ने अपनी बातों में इस बात को सफाई से कहा गया, डिनाई किया गया कि न हुआ है और न होगा और न इसका कोई इरादा है । लेकिन इसके बावजूद भी मुखालिफत किस्म के इल्जामात यहां आते रहे जो नहीं आने चाहिये थे । लेकिन प्रमोद महाजन ने एक क्लासिकल बात कही । किसी ने उसकी तरफ तवज्जो नहीं दी कि हिन्दुस्तान के हर बड़े शहर में पापुलेशन कंट्रोल की एक्सर्साइज जारी है ।

माननीय सदस्य : दिल्ली में क्या हो रहा है ?

श्री सिकन्दर बख्त : दिल्ली नेशनल केपिटल रीजन की एक्सर्साइज उसी एक्सरसाइज का नतीजा है । मैं नेशनल केपिटल रीजन को बुनियादी तौर पर गलत समझता हूं । लेकिन कहना यह चाहता हूं कि दिल्ली में जब नेशनल केपिटल रीजन की एक्सरसाइज शुरू हुई तो किसी ने यह इल्जाम नहीं लगाया कि हम हिन्दुस्तानी किसी हिन्दुस्तानी को दिल्ली से निकालने वाले हैं या किसी हिन्दुस्तानी को दिल्ली में आने नहीं देना चाहते हैं । यह तरीका किसी बड़े शहर में, अगर सरकार चल रही है तो उनको यह सोचने का हक है कि पापुलेशन प्रैशर को कैसे रोका जा सकता है । और इसमें सोचने की एक्सरसाइज करने की बात को भी गुनाह करार दे दिया गया जो कि बहुत अफसोसजनक है । सदर साहिबा इश्यू को बिलकुल तोड़-मरोड़ कर घंटों यहां पर गुल मचा और जमीन आसमान एक कर दिया । इशारे मौजूद हैं और उस पर बहस हो रही है । उनके लिये इशारे और वाकया में कोई फर्क ही नहीं है । अभी हमारे अजीज दोस्त जयपाल रेड्डी ने जिक्र किया कि नान-महाराष्ट्रियों के साथ उनका सही रवैया नहीं होगा । लेकिन असल बात यह है कि नान-महाराष्ट्रियंस ने ही शिवसेना और भारतीय जनता पार्टी को वहां चुना है । मेहरबानी करके असल मौजूं से हटकर केवल बात को कहने के खातिर बात न करें । वहां जो इन्फिलट्रेशन हो रहा है,

شری سکندر بخت: یہ * ہے کہاں سے نکلے اور کہاں پہنچے ... "مداخلت" ... میں نے تو ایکچوئل اطمینان سے سنا ہے مگر میں یہ کہہ دینا چاہتا ہوں کہ...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Sikander Bakht Saheb, * is unparliamentary; so it should not be recorded.

श्री सिकन्दर बख्त : मै * शब्द को वापस लेता हू । मैं कहना चाहता हूं कि यहां पर इश्यू को डिस्टार्ट किया गया है। शिव सेना और भारतीय जनता पार्टी की सरकार जो महाराष्ट्र में है उन्होंने एक बात साफ कही है, इन्फिलट्रेशन के बारे में। इस बारे में किसी को कोई ऐतराज नहीं हो सकता है, पहली बात, और दूसरी बात उन्होंने यह कही है कि हमारे पास एक तजवीज आयी है। वह तजवीज, हो सकता है कि किसी सी०पी० आई. के आदमी ने भेजी हो, हो सकता है किसी जनता दल के आदमी ने भेजी हो या किसी आम आदमी ने भेजी हो। किसी तजवीज पर गौर करने का हक महाराष्ट्र सरकार को है। मै दोहराना चाहता हूं कि ...(**व्यवधान**)... मुझे मेरी बात कहने दीजिए। मेरी बात खत्म होने के बाद आप बोलें ।

मैं आखिरीतौर पर यह कहना चाहता हूं कि मेट्रोपोलिटन सिटीज में यह एक्सरसाइज आज भी जारी है कि वहां पर पापुलेशन के प्रेशर को किस तरीके से रोका जाए। महाराष्ट्र गवर्नमेंट भी अगर इसका पूरा समर्थन करती है तो इसमें कोई बुराई नही है। मझे सदर साहिबा, इस बात का बड़ा रंज है कि एक सीधे इश्यू को डिस्टार्ट करके यहां पर इतना ज्यादा गुल मचा है जो कि बिल्कुल मुनासिब नहीं है। महाराष्ट्र सरकार ने कोई गलत काम नहीं किया है। उसने एक अच्छा काम किया है जो कि एक अच्छे शासक को करना चाहिए, उन्होंने वैसा काम किया है, इसके अलावा कुछ भी नहीं किया है।

*Expunged as ordered by the Chair.

شری سکندر بخت "جاری": اور اس میں سوچنے کی ایکسرسائز کرنے کی بات کو بھی گناہ قرار دے دیا گیا جو کہ بہت افسوسناک ہے۔ صدر صاحبہ ایشو کو بالکل توڑ مروڑ کر کچھ لوگوں یہاں پر غل مچا اور زمین آسمان ایک کر دیا۔ اشاے موجود ہیں اور اس پر بحث ہو رہی ہے۔ ان کے لئے اشارے اور واقعہ میں کوئی فرق ہی نہیں ہے۔ ابھی ہمارے عزیز دوست جے پال ریڈی صاحب نے ذکر کیا کہ نان مہاراشٹریوں کے ساتھ ان کا صحیح رویہ نہیں ہوگا لیکن اصل بات یہ ہے کہ نان مہاراشٹریوں نے ہی شیوسینا اور بھارتیہ جنتا پارٹی کو وہاں جتایا ہے۔ مہربانی کر کے اصل موضوع سے ہٹ کر کسی بات کو کہنے کی خاطر بات نہ کریں۔ وہاں جو الیکشن ہوئے ہیں

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: This is misinterpretation of the popular verdict. ...(*Interruptions*)| This is totally misinterpretation of the popular verdict. ...(*Interruptions*)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Let him speak.

SHRI SIKANDER BAKHT: He is rising like the Jack-in-the-box. ...(*Interruptions*)

यह* है। कहां से निकले और कहा पहुंचे । ...(व्यवधान)... मैंने तो आपको इत्मीनान से सुना है मगर मैं यह कह देना चाहता हूं कि...

†[] Transliteration in Arabic Script.

اس بات کا بڑا رنج ہے
ہے۔
کہ ایک سید سے ایشو کو ڈسٹارٹ کر کے
یہاں پر اتنا زیادہ غل مچایا ہے جو کہ بالکل
مناسب نہیں ہے۔ مہاراشٹر سرکار نے
کوئی غلط کام نہیں کیا ہے۔ اس نے ایک
اچھا کام کیا ہے جو ایک اچھے شاسک کو
کرنا چاہیئے۔ انہوں نے ویسا کام کیا اس کے
علاوہ کچھ بھی نہیں کیا ہے۔ ختم شد

SHRI S. JAIPAL REDDY: Madam...

THE DEPUTY CHAIRMAN: No, I am allowing Mr. Janeshwar Misra. I have to allow him.

SHRI S. JAIPAL REDDY: The suggestion was made by none other than the Chief of the *Shiv Sena*, Mr. Bal Thackeray and the Chief Minister referred to the suggestion made by Mr. Bal Thackeray. If you think that Mr. Bal Thackeray could be inspired by the JD and the CPI, then is a matter of imgaination.

श्री जनेश्वर मिश्र : उपसभापतिम होदय जिस बम्बई से आज से 50–53 साल पहले अंग्रेजों भारत छोड़ो का नारा दिया गया था और अंग्रेजो भारत छोड़ों का आइडिया फ्लोट कराया गया था, उस बम्बई से भारत वासियों बम्बई छोड़ों का आइडिया अब फ्लोट कराया जा रहा है, यह बहुत ही शर्मनाक बात है मैं यह नहीं कहता कि जो नयी सरकार बनी है वह कल परसों वहां के लोगो को जो महाराष्ट्र के बाहर के हैं बाहर कर देगी और कभी भी बाहर कर देगी लेकिन हिन्दुस्तान के बाहर के लोग जो वहां बसे है और महाराष्ट्र के लोग जो देश में रहते हैं, उनको यह अहसास हुआ है कि एक शहर देश में ऐसा बनने जा रहा है, तैयार होने जा रहा है जहां जाने के लिए हम को परमिट लेना पड़ेगा । पहले कुछ मित्रों ने यह कहा था कश्मीर के बारे में । कश्मीर के लिए संविधान बना है । उसकी अपनी कलम है । किसी भी राज्य सरकार को

شہر کی سرکار چاہتی ہیں، شنبد کو واپس
لینا چاہیں۔ میں کہنا چاہتا ہوں کہ یہاں پر
ایشو کو ڈسٹارٹ کیا گیا ہے۔ شو سینا
اور بھارتیہ جنتا پارٹی کی سرکار جو مہاراشٹر
میں ہے انہوں نے ایک بات صاف کہی
ہے انفلٹریشن کے بارے میں اس بارے
میں کسی کو کوئی اختلاف نہیں ہو سکتا ہے
پہلی بات۔ اور دوسری بات انہوں نے
یہ کہی ہے کہ ہمارے پاس ایک تجویز آئی
ہے۔ وہ تجویز ہو سکتا ہے کہ کسی سی۔ بی
آئی کے آدمی نے بھیجی ہو۔ ہو سکتا ہے
کسی جنتا دل کے آدمی نے بھیجی ہو یا کسی
عام آدمی نے بھیجی ہو۔ کسی تجویز پر غور
کرنے کا حق مہاراشٹر سرکار کو ہے۔ میں
میں دوبارہ کہنا چاہتا ہوں کہ۔ مداخلت...
مجھے میری بات کہنے دیجئے۔ میری بات
ختم ہونے کے بعد آپ بولیں۔

میں آخری طور پر یہ بات کہنا چاہتا
ہوں کہ میٹروپولیٹن سٹیز میں یہ ایکسرسائز
آج بھی جاری ہے کہ وہاں پر پاپولیشن
کے پریشر کو کس طریقہ سے روکا جائے
مہاراشٹر گورنمنٹ بھی اگر اس کا پورا سمرتھن
کرتی ہے تو اس میں کوئی برائی نہیں ہے

†[] Transliteration in Arabic Script.

यह अधिकार नही दिया जाएगा, किसी भी मुख्य मंत्री को यह अधिकार नही दिया जाएगा कि उस तरह की पाबन्दी की कलम का वह इस्तेमाल किया करें । वह संविधान का अतिक्रमण होगा और कोई भी राज्य सरकार संविधान का अगर अतिक्रमण करती है कुर्सी पर बैठने के बाद मुख्य मंत्री देश की जनता के नाम, मैं नही कहता कि वह यह बात कह रहा है, वह देश की जनता को यह महसास करा रहा है । मान लीजिए कि कल को ज्योति बसु यह कह दें कि कलकत्ता शहर की आबादी बढ़ गई है तो ज्योति बसु पर कोई शक नही करेगा कि वह देश को तोड़ने के लिए कह रहे हैं । लेकिन शिव सेना का अभी तक का चरित्र यह रहा है कि उसका मुख्य मंत्री यह बात बोलेगा तो उसके ऊपर शक की सुई जाएगी कि देश को तोड़ रहे हैं । कल तामिल नाडु का मुख्य मंत्री यह कह दे कि मद्रास शहर की आबादी बढ़ रही है तो उसके ऊपर शक की सुई इतनी नहीं जाएगी जितनी कि शिव सेना के प्रमुख या मुख्य मंत्री की ओर जा रही है । इसकी सफाई शिव सेना के मित्रों और भाजपा के लोगों को देनी चाहिए । कुछ तर्क दिये गये है । एक तर्क तो यह दिया गया शहरो की आबादी बढ़ रही है। यह तीन-चार शहर राक्षस की तरह बढ़े है और यह हैं बम्बई, दिल्ली, कलकत्ता मद्रास । यह सभी शहर अगर यह फार्मूला अख्तियार कर लेगे कि इस आबादी को कंट्रोल करने के लिए अब बाहर के लोगों को आने के लिए परमिट लेना पड़ेगा तो हिन्दुस्तान टूट के रास्ते चला जाएगा क्योंकि इन शहरो को अकेले उन शहरों के लोगों ने नही बसाया है । जैसे कई मित्रों ने कहा कि सबों का पसीना लगा है, सबों की मेहनत लगी है, कई पुश्त वहां गुजर गये है ।पहले तो महाराष्ट्र और गुजरात एक ही थे । अभी जब कह रहे थे कि गुजरात के अहमदाबाद में जितने गुजराती नही रहते उससे ज्यादा गुजराती बम्बई में रहते हैं। पहले तो यह दानों एक ही थे, ,अलग सूबे नहीं थे । आबादी में भी दो तीन बातें कही गई हैं देशी नागरिको के बारे में जिसकी तरफ मैंने अभी इशारे के तौर पर कहा और दूसरा विदेशी नागरिक । मै इस सदन में कहना चाहूंगा केवल भाजपा के लोगों से नही, सरकारी पार्टी के लोगों से भी कि जिस दिन हिन्दुस्तान का बंटवारा हुआ था उस दिन आडवाणी साहब और उनके पुरखे सरहद के बाहर से आए थे । अगर उस समय की सरकार कह देती कि कोई विदेशी हम नहीं आने देंगे तो आप लोगों को कैसा लगता ? (**व्यवधान**) उस समय मन मोहन सिह जी और इनके पुरखे बाहर से आए थे । (**व्यवधान**) मै आ रहा हूं शास्त्री जी । हिन्दुस्तान, पाकिस्तान और बंगलादेश इनके लोग और सरहद का बंटवारा एक तरह का नकली बंटवारा है । यह कोई बुनियादी बंटवारा नही है । न पहाड़ ने बांटा है, न नदी ने बांटा है और न समुद्र ने बांटा है। कोई दिल्ली की कुर्सी पर बैठ कर अंग्रेजों की चाल मे आ कर इस पूरे मुल्क को बांट गया । हमारे वहा पर तीर्थ स्थान है, हमारे वहा पर रिश्ते है । अगर कोई यहा आता है तो विदेशी नागरिक कहलाएगा । कल हम एक घर में थे, हमारा भाई दूसरे घर में चला गया, हमारे घर मे चला आया तो बाहरी कहलाता है । यह मेरी दृष्टि है । मैं केवल भाजपा के लोगो से नहीं कहता, आप जानते हैं कि भाजपा के लोग तो सिकुड़े मिजाज के है । मै सरकारी पार्टी के लोगों से कहना चाहता हूं कि यह भाषा क्यों बोली जा रही है । दिल्ली में भी सुना था कि इस समय जो मुख्य मंत्री हुआ है विदेशी नागरिक, कई शहरो मै सुना करता हूं . क्या होता है ।विदेशी नगरिक कल को वह हमारा भाई नहीं था ? कल को हमारा भाई नहीं हो सकता ? दुनिया में बहुत से नकली बंटवारों की लकीरें तोड़ी गयी हैं । क्या भारत, बंगलादेश और पाकिस्तान की नकली लकीरें तोड़ी नहीं जा सकती । इसलिए क्यों यह बहस चलाई जा रही है देशी नागरिक और विदेशी नागरिक की । यह नफरत की बुनियाद अगर कोई कुर्सी पर बैठकर डालता है चाहे वह बम्बई की सरकार वाला हो चाहे दिल्ली की सरकार वाला हो तो उस पर एतराज करना चाहिए, उससे मुल्क टूटेगा ।

आप लोग जो हल्ला मचा रहे हैं बहुत पहले से, अब तो मंत्री हो गए हैं। मंत्री उस समय नहीं थे एक साहब। उन्होंने आपकी पार्टी को राष्ट्रद्रोही कहा था हमने उसको पसंद नहीं किया था। लेकिन कोई भी सोच वाला आदमी जिसकी हरकत से मुल्क टूटा करता है उसके ऊपर राष्ट्रद्रोह का आरोप न लगे तो क्या लगे यह मैं जानना चाहता हूं ...(**व्यवधान**)...

मैं निवेदन करूंगा महोदया, कि यह मंत्री जी अहलूवालिया साहब ने जो मुद्दा उठाया है उस मुद्दे पर गम्भीरता से महाराष्ट्र, की सरकार से जानकारी लें। अगर मुख्य मंत्री ने ऐसा कहा है तो उनको हिदायत दें कि वे अपने अधिकार क्षेत्र के बाहर भारत के संविधान पर अतिक्रमण कर रहे हैं और भविष्य में यदि इस प्रकार का अतिक्रमण किया तो चाहे नयी चुनी गई है यह सरकार, जनता के वर्डिक्ट के नाम पर जितने गीत गाये, मैं मांग करूंगा कि उस सरकार को बर्खास्त किया जाए।

प्रो० विजय कुमार मल्होत्रा : उपसभापति महोदय, यह प्रश्न जो यहां पर उठाया गया है उसके दो भाग हैं। हमारी पार्टी का हमेशा से यह नजरिया रहा है कि यह देश एक राष्ट्र है, एक जन हैं, एक संस्कृति है। इसके अंदर न दो राष्ट्र हैं न तीन राष्ट्र हैं मुस्लिम लीग दो राष्ट्रों की बात करती है, कम्युनिस्ट मल्टी नेशनल की बात करते हैं लेकिन हम इसको वसई नही मानते हैं और हिन्दुस्तान के किसी भी हिस्से में किसी आदमी पर पाबंदी लगाना, जाने की, यह अनुचित है, बहुत ही गलत बात है।

मैं यह कहना चाहता हूं कि चाहे बम्बई हो, चाहे दिल्ली हो, चाहे कलकत्ता हो या मद्रास हो किसी जगह पर हिंदुस्तान के किसी आदमी के जाने पर रोक लगाना, या वहां पर जमीन खरीदने पर रोक लगाना या वहां पर बसने पर रोक लगाना यह इस देश के हित में नहीं है। यह अनुचित बात है।

महोदया, इसी के साथ-साथ मैं यह भी बात कहना चाहता हूं कि यहां पर जो लोग इस तरह का भाषण दे रहे हैं, देश को जोड़ने की बात कर रहे हैं वह जब काश्मीर का सवाल आता है, कहते हैं कि काश्मीर में परमिट होना चाहिए। जब मिजोरम की बात आती है तो कहते हैं मिजोरम में परमिट होना चाहिए जब नाग[illegible] बात आती है तो कहते हैं कि परमिट [illegible] चाहिए जब कहीं और इसका सवाल [illegible] है ...(**व्यवधान**)...

SHRI S. VIDUTHALAI VIRUMBI (Tamil Nadu): It is according to the Instrument of Accession to India.

प्रो० विजय कुमार मल्होत्रा : हम तो सारे हिन्दुस्तान में कोई परमिट नहीं होना चाहिए इसकी बात करते हैं--न तो बम्बई में हो न कलकत्ता में हो न काश्मीर में हो। आज काश्मीर में तो अपने हिंदुस्तान की सेना अपनी छावनी बनाने के लिए जमीन नहीं खरीद सकती है, आपने ऐसा विधान बना रखा है। इसलिए जो लोग इस देश को तोड़ रहे हैं उनकी बात को समझें। परन्तु हो क्या रहा है? मैं आपसे कहना चाहता हूं जो आपने जिक्र किया। दिल्ली के कांग्रेस के मैट्रोपोलिटन काउंसिल के चीफ एक्जीक्यूटिव काउंसिलर ने यह बात रखी थी कि दिल्ली में बाहर से आने वाले लोगों को रोकना चाहिए। यह बात किसने रखी? कांग्रेस के एक चीफ एक्जीक्यूटिव कांउंसिलर ने। हमने उसका विरोध किया। जब प्रधान मंत्री ने, इंदिरा गांधी जी ने, जवाहर लाल नेहरू जी ने कैपिटल रीजन की बात की और यह कहा कि दिल्ली से बाहर लोगों को भेजा जाए तो कांग्रेस के लोगों ने यह बात की, हमने तब भी इसका विरोध किया। आज यहां दिल्ली से 50 दफतर निकाले जा रहे हैं, 300 दफ्तरों की एक लिस्ट बनी है। दो लाख आदमियों को दिल्ली से बाहर निकालने की बात हर साल कौन कर रहा है? कांग्रेस की गवर्नमेंट कर रही है और आप इलजाम लगा रहे हैं कि बम्बई में इस तरह की बात किसने कर दी और यहां पर कैसे कह दिया। सिर्फ बम्बई के अंदर अगर किसी ने यह बात कही है कि यहां पर बाहर के लोगों के आने पर रोक लगा दी जाएगी तो यह बात ठीक नहीं है और यह बात साफ कर दी गयी है। परन्तु इसकी आड़ में इतनी खतरनाक बात मेरे दोस्त ने कही है--मैं उनकी बहुत इज्जत करता हूं कि यहां पर बंगलादेश से, पाकिस्तान से कोई आ जाए तो उसका स्वागत करना चाहिए, उसको यहां पर आने देना चाहिए उसको अपने यहां का नागरिक बना देना चाहिए, उसको बिल्कुल अपना भाई बना देना चाहिए, इससे ज्यादा खतरनाक

बात, देशद्रोह की बात मैं नहीं समझता कि यहां पर कोई भी हो सकती है । क्या यह देशद्रोह नहीं है कि बंगलादेशी हिंदुस्तान में आ जाए और यहां का नागरिक बन जाए विदेशी होते हुए भी ? इसको आप कहते हैं कि देशभक्ति की बात है । आज हो क्या रहा है ? बम्बई के नाम पर जो लोगों पर रोक लगाई जा रही है उसके नाम पर दाउद के लोगों को समर्थन की बात कर रहे हैं . . ।

[Vice Chairman (Shri Suresh Pachouri) in the Chair]

दाउद के लोगों को वहां पर बसाने की बात कर रहे हैं । अगर कोई बम्बई का कहता है कि दाउद के हिमायतियों को निकालो तो यह कौन सी देशद्रोह की बात कह रहा है ।

श्री एस. एस. अहलूवालिया : महोदय, यह दाउद का नाम कहां से आ गया । (**व्यवधान**) किसने लिया है ? यह आपके दिमाग का फतूर है । कि किसी ने नाम नहीं लिया (**व्यवधान**) आप कहां जा रहे हैं आपको पता ही नहीं है । आप सब्जेक्ट पर बोलिए । (**व्यवधान**)

प्रो० विजय कुमार मल्होत्रा : जनता ने वर्डिक्ट दिया है । ...(**व्यवधान**) आप दाउद के लोगों को निकाली और जो लोग उनकी हिमायत कर रहे हैं उनको कुर्सी से निकाल दिया . . (**व्यवधान**) अभी तो आपके मुख्य मंत्री ने खुद माना है कि उनके बारे में यह धारणा बन गई थी और यह दाउद के मामले में, बंगला देश के मामले में, यहां कैसे स्थिति पैदा हो गई . . (**व्यवधान**)

श्री मोहम्मद सलीम : दिक्कत यह है कि इस सदन में तो हमको कुछ समझकर बोलना चाहिए . . (**व्यवधान**) . प्लीज-प्लीज, सुनिए । जैसे जनेश्वर मिश्र जी कह रहे थे कि यह सिकुड़ा हुआ दिमाग है । वह रिलिजियन और कंट्री दोनों को एक कर लेते हैं । नाम अगर किसी का दाउद है तो वह बम्बई में क्यों जाएगा । यह कहां की बात है . . (**व्यवधान**) वह नाम से, लैंग्वेज से, [illegible] . . (**व्यवधान**) यह गलत बात है । . . (**व्यवधान**) . .

†[] Transliteration in Arabic Script

شری محمد سلیم : دقت یہ ہے کہ اس سدن میں تو ہم کو کچھ سمجھ کر بولنا چاہئے ... مداخلت ... پلیز پلیز سنیئے جیسے منیشور مشر جی کہہ رہے تھے کہ یہ سکڑا ہوا دماغ ہے ۔ وہ ریلیجن اور کنٹری دونوں کو ایک کر لیتے ہیں ۔ نام اگر کسی کا داؤد ہے تو وہ بمبئی میں کیوں جائے گا ۔ یہ کہاں کی بات ہے ... وہ نام سے لینگویج سے ۔ لباس سے ... یہ غلط بات ہے ۔

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मोम अफजल : मेरा प्वायंट आफ आर्डर है । . . (**व्यवधान**)

شری محمد افضل عرف م ۔ افضل : میرا پوائنٹ آف آرڈر ہے ... مداخلت ...

श्री विष्णु कान्त शास्त्री : कम्युनिस्ट देश द्रोही थे । (**व्यवधान**)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SURESH PACHOURI): What is your point of order, Shri Mohammed Afzal?

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मोम अफजल : प्रो० विजय कुमार मल्होत्रा साहब बहुत सीनियर आदमी हैं । उन्होंने एक बात कही कि दाउद के जो लोग हैं उनको बाहर निकाला जाए । मेरा पहला सवाल यह है कि क्या दाउद हिन्दुस्तानी है या गैर मुल्की है ? आप यह डिमांड तो कर सकते हैं कि दाउद या उनके साथियों को या उनके आदमियों को आप पकड़ें, गिरफ्तार करें, कुछ भी करें, लेकिन देश से आप दाउद को भी नहीं निकाल सकते, जब तक उसके पास हिन्दुस्तान की नेशनैलिटी है ।

†شری محمد افضل عرف م افضل: پروفیسر وجے کمار ملہوترہ صاحب بہت سینئر آدمی ہیں انہوں نے ایک بات کہی کہ داؤد کے جو لوگ ہیں انکو باہر نکالا جائے میرا پہلا سوال یہ ہے کہ کیا داؤد ہندوستانی ہے یا غیر ملکی ہے۔ آپ یہ ڈیمانڈ تو کر سکتے ہیں کہ داؤد یا ان کے ساتھیوں کو یا ان کے آدمیوں کو آپ پکڑیں۔ گرفتار کریں۔ کچھ بھی کریں لیکن ریئلی سے آپ داؤد کو بھی نہیں نکال سکتے ہیں جب تک اس کے پاس ہندوستان کی نیشنلٹی ہے۔

प्रो० विजय कुमार मलहोत्रा : उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं तो विदेशियों की बात कर रहा हूं जो बाहर से दुबई से बैठ करके हिन्दुस्तान में जिन्होंने आई०एस०आई० के एजटों से मिल कर वहां बम ब्लास्ट किया। मैं उनका जिक्र कर रहा हूं कि दाउद... (**व्यवधान**) उनको तो वहां की गवर्नमेंट हटाने की बात करती है। जो गवर्नमेंट वहां के बंगलादेशियों को निकालने की बात करती है तो शिकायत पैदा होती है और उनकी आड़ में आप वहां पर बंगलादेशी बने रहें, वहां पर बिठाए रखें और हिन्दुस्तान के अंदर नागरिक बनाए रखें, इस बात को सहन नहीं किया जा सकता। मैं चाहूंगा कि अहलुवालिया जी इस बात को मानें कि सारे हिन्दुस्तान में काश्मीर समेत किसी जगह परमिशन... (**व्यवधान**)

उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचौरी) : प्लीज कन्क्लूड, विजय जी।

प्रो० विजय कुमार मल्होत्रा : हर हिन्दुस्तानी को हर जगह जाने की और हर हिन्दुस्तानी को हर जगह बसने की इजाजत होनी चाहिए। .. (**व्यवधान**)

श्री एस० एस० अहलुवालिया : उपसभाध्यक्ष महोदय, जनेश्वर मिश्र जी ने कोई गलत बात नहीं कही थी ... (**व्यवधान**) उन्होंने कहा था जैसे आप भी उस पार से आए हैं, रावी के उस पार से आए हैं और मैं भी मियालकोट से आया हूं तो अब कल को हमें पूछा जाए कि तुम्हारा जन्म यहां नहीं ... (**व्यवधान**) . सुनिए मेरी बात ... (**व्यवधान**) .

प्रो० विजय कुमार मलहोत्रा : मुझे इस हिन्दुस्तान ने नागरिकता दी है।

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA: I have been given citizenship right.

श्री एस० एस० अहलुवालिया : कल को अगर आपसे मांगा जाता है कि आप प्रमाणित करिए कि आप हिन्दुस्तानी हैं या नहीं... (**व्यवधान**)

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA: Let me now explain.

आप किस तरह की बात कर रहे हैं। ... (**व्यवधान**)

श्री एस० एस० अहलुवालिया : विदेशों में बर्लिन की बात टूट रही है, साउथ कोरिया–नार्थ कोरिया एक हो रहे हैं और ईस्ट जर्मनी और वेस्ट जर्मनी एक हो रहे हैं .. (**व्यवधान**) बात उन्होंने कही तो कोई गलत बात नहीं कही थी ? ... (**व्यवधान**)

प्रो० विजय कुमार मलहोत्रा : जो हिन्दुस्तान के पार्टीशन के बाद ... (**व्यवधान**)

श्री एस०एस० अहलुवालिया : हिन्दुस्तान के पार्टीशन की बात सुन कर जो मुसलमान पाकिस्तान नहीं गया हिन्दुस्तान में रहा और मादरे वतन हिन्दुस्तान को माना है उसको आप पूछ रहे हैं कि आपकी नेशनेलिटी क्या है ... (व्यवधान). इसका विरोध होना चाहिए। ... (**व्यवधान**)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SURESH PACHOURI): Now, Mr. Venkatraman. (*Interruptions*) I have called the next speaker to speak. (*Interruptions*) ...

श्री एस० एस० अहलुवालिया : पार्टीशन के बाद जो मुसलमान पाकिस्तान नहीं गए हिंदुस्तान में ही रहे और हिंदुस्तान को अपना मादरे-वतन माना उनको आप.. (**व्यवधान**). इस पर एतराज है।

†[ ] Transliteration in Arabic Script.

प्रो. विजय कुमार मलहोत्रा : जब हिंदुस्तान का संविधान बनाया गया... (**व्यवधान**)...

श्री सैयद सिब्ते रजी (उत्तर प्रदेश) : वाइस-चेयरमन साहब, यह क्या हो रहा है ? ...(**व्यवधान**)...

SHRI TINDIVANAM G. VENKATRAMAN (Tamil Nadu): Mr. Vice-Chairman, Sir... (*Interruptions*)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SURESH PACHOURI): Nothing will go on record. I have called the next speaker.

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA: I take only one minute.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SURESH PACHOURI): You have already taken enough time. Now, Mr. Venkatraman.

SHRI SIKANDER BAKHT: Please. Let him finish.

प्रो. विजय कुमार मलहोत्रा : आप मुझे बीच में बोलने से कैसे रोक सकते है ? वह खडे हो गए तो आपने मुझे बोलने से रोक दिया ?

उपसभाध्यक्ष (**श्री सुरेश पचौरी**) : मैंने उनको भी मना किया हैं। ठीक है आप दो मिनट में कनक्लूड कीजिए।

प्रो. विजय कुमार मलहोत्रा : महोदय मैं एक ही बात कहकर खत्म कर रहा था कि अपने हिंदुस्तान का कोई भी नागरिक और हमारे संविधान मे लिखा है कि नागरिक कौन हो सकता है ? संविधान में लिखा हुआ है, जो यहां पैदा हुए या पाकिस्तान मे या बंगलादेश मे पार्टीशन के टाइम पर या 1971 में आए...

श्री एम. एस. अहलुवालिया : हिंदुस्तान के किस हिस्से से लिखा है।

प्रो. विजय कुमार मलहोत्रा : वह सब भारत के नागरिक हैं। हिंदुस्तान के ऐसे नागरिकों को और मैं तो आगे कहना चाहता हूं कि जो लोग बांग्लादेश से पर्सीक्यूट होकर, जुल्म होने से जो हिंदू वहां से आते हैं, उनको हिंदुस्तान में बसने का अधिकार है, अगर उनको वहां पर लाया जाता है। परन्तु जो घुसपैठ करके यहां आते है और बांग्लादेश मे आए हुए ...(**व्यवधान**)...

SHRI MD. SALIM: Sir, I am on a point of order. He is speaking against the spirit of the Constitution.

अगर बांग्लादेश से कोई आए तो उसमें हिंदु या मुसलमान के हिस्से करके आप कैसे रोक सकते हैं ?

प्रो. विजय कुमार मलहोत्रा : बांग्लादेश से जो हिंदू आए, उस पर जुल्म होता है, और वह हिंदुस्तान में आता है जिस पर अत्याचार होता है, उसको मारा जाता है, बलात्कार होता है, उसे हिंदुस्तान में शरण मिलनी चाहिए। यह हिंदुस्तान का कमिटमेंट है। यह जवाहर लाल नेहरू का कमिटमेंट है, सरदार पटेल का कमिटमेंट है। उन्होंने कहा था कि उन्हें हम हिंदुस्तान में जगह देंगे ...(**व्यवधान**)...

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PERSONNEL PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRIMATI MARGARET ALVA): Anybody can come to India. How can he say that?

प्रो. विजय कुमार मलहोत्रा : उनको यहां रहने का अधिकार है, परन्तु अगर कोई घुसपैठ कर के आ जाए तो उसको यह अधिकार नहीं है।

(*Interruptions*)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SURESH PACHOURI): I will see the record and go through it.

SHRI MD. SALIM: The question is that he is talking about foreign nationals. How can you discriminate? (*Interruptions*)

प्रो. विजय कुमार मलहोत्रा : हिंदुस्तान की सरकार ने, जवाहर लाल नेहरू ने, सरदार पटेल ने महात्मा गांधी ने कमिटमेंट किया था कि कोई भी हिंदू जिस पर जुल्म होता है वह यहां आकर बस सकता है, लेकिन जो घुसपैठ कर के आएंगे ...(**व्यवधान**)...

उपसभाध्यक्ष (**श्री सुरेश पचौरी**) : मल्होत्रा जी आप अपनी बात खत्म कीजिए।

श्री एस. एस. अहलुवालिया : किसी भी धर्म का रिफ्यूजी हो, वह यहां रह सकता है ...व्यवधान)... यहां बुद्धिष्ट रहते हैं, क्रिश्चियन रहते हैं ...(**व्यवधान**)...

उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचौरी) : मल्होत्रा जी, अब आप खत्म करिए।

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : परन्तु जो घुसपैठ कर के आते हैं, उनका यहां रहने का कोई अधिकार नहीं है

SHRI V. GOPALSAMY: Sir, you allow others also to speak. It is not their monopoly. We are also waiting to speak. (*Interruptions*) Sir, I seek your protection. We want to express our views. It is not their monopoly to take the time of the House.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SURESH PACHOURI): Mr. Venkatraman. (*Interruptions*)

SHRIMATI MARGARET ALVA: Sir, I just want to say that it is unfortunate that a senior Member should say that the Citizenship law only permits the Hindus to come to this country. I think, it is very wrong. (*Interruptions*)

SHRI SIKANDER BAKHT: Those who have come because of persecution...

SHRIMATI MARGARET ALVA: Everybody can come. Even the Muslims can come. (*Interruptions*)

SHRI SIKANDER BAKHT: That is the product of the two-nation theory.

THE VIuCE-CHAIRMAN (SHRI SURESH PACHOURI): Mr. Venkat. raman.

SHRI SIKANDER BAKHT: This situation has arisen because of that. Wherever somebody is persecuted, he can come to this country.

SHRIMATI MARGARET ALVA: Others also can be persecuted. Not only Hindus.

SHRI SIKANDER BAKHT: I said 'persecuted'. All right. That is what we say.

SHRIMATI MARGARET ALVA: It is wrong.

SHRI SIKANDER BAKHT: It is very right.

SHRI TINDIVANAM G. VENKATRAMAN (Tamil Nadu): Mr. Vice-Chairman, Sir, this is a very serious issue and everybody is agitated over the statement said to have been made by a person holding a responsible post, that too the post of Chief Minister of a State.

Now, Sir, one would not quarrel with them if they want to prohibit the infiltration of foreigners. But it is entirely a different thing when they want to equate the Indian nationals with foreigners. This is highly abominable. It is nothing but political AIDS, spreading political AIDS. It amounts to political AIDS. I would like to know as to who is the nucleus, who is at the bottom of this mischief. Of course, everybody has explained about this in his own way as per his thinking. But I want the Members to understand as to who is at the bottom of this mischief, who is the nucleus, or from Karnataka or from any other State, we are all Indians; we are all one. It is a question of one nationality. We are all one. People from one part of the country can go and reside in any other part. If this sort of idea is floated by one State, what would happen if others also start talking like this? If they say like this, I would like to point out that the Bombay people would be the worst-hit because they are living throughout India; they are spread all over the country. If they start thinking on these lines, they would be the worst-affected. I do not want to say that.

What you are saying does not help the cause of national integration. You are the persons who speak so high about your sacrifices during the days of 'Quit India' Movement. When you say such a thing, you have to hang your heads in shame and you would

and you would be the persons who would be responsible for the disintegration of India. Therefore, please be careful before making such a statement. This sort of a statement can come only from people who have sectarian views.

We are all one. We should think as Indians. Nobody would object to your prohibiting the infiltration of foreigners. What is objectionable is your equating the Indian nationals with foreign nationals. If a person from Tamil Nadu has to come to Bombay, if you say that he should take a permit, it is nothing but a shameful thing to be said by a responsible Government. You want to discuss about it. Where is the need for any discussion on this? A person from one State can go to any other State and settle down there. As a Tamlian, if I want to come to Bombay and for that I should take a permit, there can be a no more abominable suggestion than this. The idea, by itself, is very condemnable. I condemn the whole idea. It would shudder you to prices. The person who has floated such an idea would be demolished. It is a demoniacal idea. I am one with the other Members in stoutly opposing it. It is not that this statement has been made by a layman. It has been made by a person holding a responsible post. He should think over what he has said. He should have thought one, twice, hundred times, before saying such a thing. This would only add more fuel to the forces of disintegration. Thank you.

श्री दिग्विजय सिंह : उपाध्यक्ष महोदय मैं अभी बहुत गंभीरता से सिकन्दर बख्त साहब और विजय कुमार मल्होत्रा जी, दोनों के भाषण सुन रहा था। मुझे यह जानकर ताज्जुब हुआ कि विदेशी नागरिकों की परिभाषा सिर्फ बांगला देश और पाकिस्तान तक ही सीमित थी। इस देश में आज भी नेपाल से आने के लिए न तो कोई पासपोर्ट की जरूरत है और न ही कोई सिटीजनशिप की जरूरत है।..(व्यवधान)..

SHRI K. R. MALKANI: There is an agreement between India and Nepal issue. (*Interruptions*)

श्री दिग्विजय सिंह : मैं वही बात कहा रहा हूं, जो बात आप कह रहे हैं। मैं कोई नेपाल का विरोधी हूं, ऐसा नहीं है।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SURESH PACHOURI): Mr. Malkani, your name is there. Let him speak.

SHRI K. R. MALKANI: He must speak the truth. He must come out with facts. He cannot treat Pakistan and Bangladesh on par with the Nepal issue. (*Interruptions*)

SHRI MOHAMMED AFZAL *alias* MEEM AFZAL: Why are you selective? (*Interruptions*) There is an agreement with Kashmir also. Why don't you talk about that agreement with Kashmir? When you are ready to accept the agreement with Nepal, why don't you accept the agreement with Kashmir also?

श्री दिग्विजय सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, मैं इस बात का जिक्र सिर्फ इसलिए कर रहा था कि इस देश में तमाम तरह के लोग हैं।... जहां एक ओर आप बंगलादेश और पाकिस्तान का सवाल उठाते हैं, दूसरे लोगों को यह भी लगता है कि यह सवाल आप नेपाल के बारे में क्यों

नहीं उठाते ? मैं नहीं चाहता कि यह सवाल उठे लेकिन उनके मन में यह बात लगती है कि सिर्फ बंगलादेश और पाकिस्तान के संदर्भ में ही यह सवाल क्यों उठाया जाता है और हम लोग तो एक दूसरे ख्याल के हैं।

उपसभाध्यक्ष महोदय, इस देश का बटवारा न तो जिन्ना के हाथ में था और न मुस्लिम लीग के हाथ में था और मैं भारतीय जनता पार्टी के दोस्तों से कहना चाहूंगा कि जिन्ना साहब इस देश को छोड़कर चले गये और 1934 मे कम्ब्रिज यूनिवर्सिटी में एक पी.एच.डी की थीसिस लिखी गई, "पाक-स्थान". उसका नाम था और जफर अली और असद अली दो भाई थे जिन्होंने पी एच० डी० की थीसिस का एक अंग्रेज अफसर के अंडर काम किया था। कहा से कहां देश बंट गया, इसका कोई जिक्र किसी के मन में नहीं है। आज इस सवाल को उठाकर शिव सेना के लोगों ने, मैंने सिकन्दर बख्त साहब आपसे बड़ी उम्मीद से यह बात कही थी क्योंकि मैं आज भी आपको, भले ही जितने लोग आपको देशद्रोही माने, मै भारतीय जनता पार्टी को आज भी देशद्रोही मानने को तैयार नही हूं। जो बात महाराष्ट्र के मुख्य मंत्री ने कही है, वह कोई अलग नहीं कही है। पिछले कई वर्षों मे हम लोग बम्बई आते-जाते रहते हैं, कई सभाओं में हमने भाषण भी सुना है कि उत्तर प्रदेश और बिहार के भइया लोगों ने बम्बई को बर्बाद किया, यह महाराष्ट्र-कर्नाटक के गिट-पिट बोलने वाले आदमी ने बम्बई को बर्बाद किया। यह भाषा खुलेआम बम्बई में आज ही नहीं, पिछले कई वर्षों से लगातार बोली जा रही है और वहां का मुख्य मंत्री यदि यह कहता है कि बाहर का कोई आदमी आयेगा और उसके लिये परमिट की बात होगी तो आप बताइये कि क्या यह आपकी, क्या भारतीय जनता पार्टी जिस भारतीयता की वकालत करती है, उसमें कही यह बात फिट बैठती है।

श्री सिकन्दर बख्त : प्रमोद ने क्या कहा

श्री दिग्विजय सिंह : मैं तो आपसे यह जानना चाहता था। इसलिये मैं आपसे यह कहता हूं कि यह मामला किसी पार्टी या दल का नहीं है, शिव सेना के लोग ऐसी भाषा पिछले कई वर्षों से लगातार बोल रहे हैं और मैं तो बहुत इत्मिनान से यह बात कह रहा हूं, हो सकता है कि शिव सेना से जो इस बात को बोल रहे हों . . . (**व्यवधान**) . . .

श्री सतीश प्रधान : कितने लोग बम्बई से बाहर निकले। . . . (**व्यवधान**) . . जितने थे उतने ही हैं आज भी। . . . (**व्यवधान**) . . .

श्री दिग्विजय सिंह : मामला महाराष्ट्र का सवाल नहीं है, सवाल भाषा बोलने का है। मुस्लिम लीग बनी उत्तर प्रदेश में और बंटवारा हुआ पंजाब और बंगाल में। बात कहां बोली जाती है और उसका असर देश के किस हिस्से में पड़ता है, इसको कभी आपने सोचने की जरूरत नही समझी। देश में कई छोटे-छोटे आंदोलन इस तरह के चल रहे हैं। . . . (**व्यवधान**) . . .

श्री सतीश प्रधान : अभी जो हुक्म दिया था, उन्होंने दिया था।

श्री दिग्विजय सिंह : मैं वही बात कह रहा हूं। झारखंड के इलाके में कहते हैं लोग कि छोटा नागपुर के लोग देश के किसी हिस्से में नहीं जायेंगे। आप जिस भाषा का इस्तेमाल कर रहे है उससे ऐसी शक्तियों को ताकत मिलेगी और अंतर्राष्ट्रवाद उन साम्राज्यवादी शक्तियों को ताकत मिलेगी जिनको भारत की एकता पसन्द नहीं है, जिनको 90 करोड़ आवाम की एकता पसन्द नहीं है, यह शक्ति आप उनको दे रहे हैं। महाराष्ट्र से और बम्बई से आप कभी भी भारत के लोगों को नहीं निकाल सकते। इस भाषा से वैसी ताकतों को बल मिलेगा और यही मैं गुजारिश करना चाहता हूं कि ऐसी भाषा बोलने वालों के खिलाफ इस मुल्क में आवाज उठनी चाहिये। अगर ऐसी भाषा बोलने का कोई मतलब है, कोई संदर्भ है तो उसके विरोध में

आवाज उठनी चाहिये, यही गुजारिश मैं आपसे भी करता हूं और सरकार से भी करता हूं कि आप इसको हल्के तरीके से न लें। यह एक गैर संवैधानिक बात है और गैर संवैधानिक बात बोलने वाला कोई भी व्यक्ति हो, चाहे वह राष्ट्र के किसी भी पद पर हो, उसके खिलाफ समय रहते कार्रवाई होनी चाहिये।

SHRI SYED SIBTEY RAZI: Sir, during this discussion, many of my friends on that side have said that this is not a very important issue, this is a non-issue. But to the Members of this House who believe in the Constitution and who adhere to the values which have been proposed in the Constitution it is a vital issue because the basic spirit of the Constitution has been challenged by a few irresponsible persons who, by chance, got the power to rule in that State and who have stated that they are considering an idea which had been floated by someone, whose name also has been stated in this House. But even consideration of that idea itself means violation of the basic principles of the Constitution under Fundamental Rights, according to which every citizen of India can live in any part or corner of India. The track record of the Shiv Sena and its partner, the BJP whose members are here, has been very very discouraging and shameful in the past. They have propagated the idea of the "son of the soil" and are now talking in terms of Muslims or Hindus. I am sorry that Prof. Malhotra has dragged in the issue of citizenship. I am happy that the Government intervened immediately, and the Minister of State for Parliamentary Affairs has said that our Constitution does not permit any distinction between religious. You may belong to Islam or Christianity or any other religion. Under our Constitution persons having different faiths, belonging to different religions or even atheists have the same rights. It is not a question of religion. They have the same rights which I as a Muslim have or Mr. Malhotra as a Hindu has.

But, I would like to tell Mr. Malhotra, through you, Sir, that religion itself has never been able to contain a society. There is the brilliant example of Bangladesh. Pakistan where is a Muslim fundamentalist State, has not been able to keep that part of the country with it. India is a great country. It has great traditions. If you are encouraging forces which are heading towards the way which was perpetuated by Pakistanis and Bangladeshis in their countries, I think, it is not good. It may be in the name of a religion. It may be in the name of a region. As you said, they are just considering an idea which has been floated. One of the BJP Members, a very responsible Member, Mr. Mahajan, has repudiated it and has said, "Nothing doing. We are not one on this issue with the Shiv Sena." I am sorry that Prof. Malhotra immediately after that said something else about it.

So, my request to the Government is this. This is a very important, basic issue. The Government of India, rather the Home Minister himself, should call for an explanation from the State Government. This has been reported in a section of the Press. He should ask whether the Government is trying to consider this proposal or whether there was some discussion on this, that the Indian nationals, Indian citizen would have to carry a permit if they want to go to Bombay. Mr. Sikander Bakht is present here. I tell you, if you are not going to stop this tendency, a day will come when Mr. Sikander Bakht himself will seek permission to go to Bombay. Yes, such a time may come. It is not an issue of a party. It is not an issue of a section of the House.

I think, we all adhere to the values propagated by the Constitution, and there is a complete demarcation of legislative functions between the States and the Centre.

This does not come under the concurrent List, and this does not come under the State List either. It is a Central law. It is a Central matter. There is a judgement of the Supreme Court that even Parliafent cannot change the basic concept, spirit and structrue of the Constitution. So, don't talk about the powers of the State Government. Even Parliament cannot change it. Only a Constituent Assembly especially Constituted for that purpose, can do it.

We should be thoughtful. I think today by a statement which has been made by a few responsible Ministers or, may be the Chief Minister of Maharashtra, they have pained the founding fathers of our Constitution in their graves because they never thought that after forty or fifty years a time would come when responsible political figures in a State would Challenge the basic concept of the Constitution.

So, my request to the Central Government is that it should take note of this matter. The State Government should be asked to give an explanation on the issue. If they say, "Yes, we have said it," under the law we should go against such a Government and proper action should be taken.

Thank you very much, Sir, for giving me the time to speak.

SHRI V. GOPALSAMY: Sir, a grave apprehension is gripping the minds of the people all over the country, right from Cape Comorin to the Himalayas, over the issue which we are discussing in this august House. It is highly deplorable and condemnable that the newly elected Maharashtra Government in its first Cabinet meeting considered an abominable suggestion of issuing permits to people who would come from outside Maharashtra to enter the City of Bombay. Sir, more than two million Tamils are living in the City of Bombay. Of course, they have brought prosperity to the State of Maharashtra, particularly the City of Bombay, with their sweat and toil. But what is the condition of those Tamils living there? They are living in huts and hovels in chill, penury and poverty. The biggest slum of Asia is Dharavi, which Mr. Pramod Mahajan forgot to mention. But I may mention that the Tamils living there shed their blood while facing the abominable attack of the murderous Shiv Sena that took place last year. Many times the Tamils were attacked and their huts were burnt down. That is why we are very much worried and are terribly concerned about the proposal considered by the Maharashtra Government Cabinet.

Sir, you know what they said at the Babri Masjid. They said they were carrying on *Kar Seva*. But what happened? The worst tragedy took place there in the month of December, when Babri Masjid was domolished. Sir, we are all concerned about the unity and integrity of India. Of course, the citizens of India have a Fundamental Right to go anywhere in India. That is enshrined in the Constitution. Now, the Government of Maharashtra has posed a challenge to the basic structure of the Constitution. The Maharashtra Government owes an explanation and apology to the people of the country. It is high time that the Government took up this issue with the State Government. The Home Minister should also ask the Government of Maharashtra to clarify their position. The Home Minister should come before this House with a statement on this Issue. This is our request. I strongly condemn

their attiude and warn the country that if they go ahead with their proposed design, then the unity and integrity of the country will be in jeopardy.

श्री विष्णु कांत शास्त्री : आदरणीय उपसभाध्यक्ष जी, इस सवाल को लेकर हमारे माननीय सांसदों में बहुत उत्तेजना है । उसमें सच्चाई कितनी है, कल्पना कितनी है, इस पर कोई विचार नहीं करता । चुनाव में हुई पराजय के कारण "खिसियानी बिल्ली खंभा नोचे" की तरह कोई भी बात मिले, उस पर आक्रमण करने का एक दुराग्रह इसमें लगता है । बिल्कुल साफ कर दिया गया है हमारी पार्टी की तरफ से कि ऐसा कोई निर्णय नहीं हुआ, ऐसा कोई निर्णय नहीं होगा लेकिन बात जारी है और बात एक दूसरे को लेकर भी जारी है । मुझे बहुत आश्चर्य होता है जब हमारे मित्र बंगलादेशियों और पाकिस्तानियों का भी समर्थन करते हैं । माननीय जनेश्वर मिश्र जब बोल रहे थे और बड़ी सादगी से उन्होने कहा कि हमारा देश एक था, कल फिर एक हो सकता है तो मुझे एक शेर याद आया—

इस सादगी पर कौन न मर जाये ऐ खुदा
लड़ते हैं और हाथ में तलवार भी नहीं ।

वाह क्या बात है । जरूर एक देश हो, हम स्वागत करेंगे लेकिन यह भी याद रखना चाहिये कि इस समय जो ये बंटे हुये देश हैं, उनमें हमारे देश को टुकड़े-टुकड़े कर देने वाले आई.एस.आई. के षडयंत्र चल रहे हैं । यह भी याद रखना चाहिये कि जो बंटे हुये देश हैं, बम्बई में जो ब्लास्ट हुआ था, वह इन्हीं लोगों के कारण हुआ था जो कि पाकिस्तानियों के इशारे पर नाचते हैं । यह भी याद रखना चाहिये कि कलकत्ता में भी बम विस्फोट हुआ था ।

श्री जनेश्वर मिश्र : अयोध्या कांड भी पाकिस्तान के इशारे पर हुआ था । (व्यवधान) . . .

श्री विष्णु कांत शास्त्री : मैं बहुत ही आश्चर्यजनक रूप से यह सोचता हूं कि आखिर यह क्या बात है? क्यों ऐसा है कि बंगलादेशियों और पाकिस्तानियों का समर्थन वोट प्राप्त करने के इरादे से किया जाता है ? लालू यादव जी ने व्याख्यान देकर कहा कि एक लाख मुसलमान बंगलादेशी नागरिकों को मैंने भारतीय नागरिक बनाया है इसलिये मुझे वोट देना चाहिये । यह मैं दिखाऊंगा ।

श्री मोह मदअफजल उर्फ भीम अफजल: यह गलत बोलते हैं । हाऊस को गुमराह कर रहे हैं । लालू यादव जी ने ऐसा कोई ब्यान नहीं दिया ।

شری محمد افضل عرف م. افضل: یہ جھوٹ بولتے ہیں۔ ہاؤس کو گمراہ کر رہے ہیں۔ لالو یادو جی نے ایسا کوئی بیان نہیں دیا۔

श्री विष्णु कांत शास्त्री : अखबार में छपा है, मैं दिखोऊंगा .। (व्यवधान) . .

श्री मोहम्मदअफजल उर्फ भीम अफजल: आपकी हिमायत करते हैं तो बात दूसरी है ।

شری محمد افضل عرف م. افضل: آپکی حمایت کرتے ہیں تو بات دوسری ہے۔

उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचौरी) : शास्त्री जी, जल्दी फिनिश करिये, 2.30 पर हमको दूसरा बिजिनस टेकअप करना है ।

†[] Transliteration in Arabic Script.

श्री विष्णुकांत शास्त्री : तो मैं आपको केवल यह बताना चाहता हूं कि बंगलादेशियों और पाकिस्तानियों का समर्थन करने वालों की नीयत क्या है। आसाम का मुख्य मंत्री कहता है कि यहां पर तीस लाख बांग्लादेशी हैं। उसको धमकी मिलती हैं और दूसरे दिन वह कहता है कि कोई बंग्लादेशी नहीं है। यह चमत्कार की बात है। पश्चिम बंगाल में लाखों बांग्लादेशी हैं लेकिन कोई उस पर उंगली नहीं उठाना चाहता, यह चमत्कार की बात है। मैं आपसे बहुत विनम्रता से कहना चाहता हूं कि जब भारत बंगलादेश और पाकिस्तान एक हो जाएंगे तब माननीय जनेश्वर मिश्र जी के साथ मैं भी स्वागत करूंगा। लेकिन मैं बहुत ही विनम्रता के साथ यह भी कहना चाहता हूं कि जो लोग षड़यंत्र करके हमारे देश में अपने लोग भेजते है, उनका हमें विरोध करना चाहिए। क्या आपको मालूम है कि बंगलादेश के बुद्धिजीवी चाहते हैं कि लेबन्स रोम के अन्तर्गत उनको अधिकार मिलना चाहिए, यहां की भूमि पर अपने लोगों को भेजने का? क्या आपको यह मालूम है कि स्वाधीन पदभूमि की मांग की जा रही है? यह सारी बात जिनको मालूम है, उन्हे अपना मुंह खोलना चाहिए। बंगलादेश और पाकिस्तान हमारे साथ मित्रता का संबंध रखें, यह मैं चाहता हूं। मेरे नेता अटल बिहारी वाजपेयी जी ने जो बंधुत्व का हाथ बढाया, आज भी लोग उन्हें स्मरण करते हैं।

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : तब जनता पार्टी की सरकार थी।

श्री विष्णुकांत शास्त्री : नेता तो भारतीय जनता पार्टी का था। अटल बिहारी वाजपेयी जी का नाम आज भी लिया जाता है। तो उस बंधुत्व की भावना का मैं आज भी स्वागत करता हूं लेकिन आई० एस. आई. वालों का नहीं, लेबेन्स रोम की बात करने वालों का नहीं, जो लोग दोष देकर, हमारे देश को नापाक कहकर पाकिस्तान चले गये। उनको थोक में आकर, बसकर यहां पर अपना राज्य चलाने का अधिकार मिल गया है। मैं इस बात को बिल्कुल स्पष्ट रूप से कह देना चाहता हूं और अगर महाराष्ट्र की सरकार अवैध रूप से बंगलादेशियों और पाकिस्तानियों को, जो वहां बसे हुए हैं, निकालने का कदम उठाती है तो मैं समझता हूं कि हर देशभक्त को इसका समर्थन करना चाहिए। मैंने बहुत स्पष्ट रूप से यह बात कहीं है। हमारे नेता प्रमोद महाजन ने स्पष्ट किया कि बंबई जाने के लिए परमिट में किस तरह बात बिल्कुल सुझाव के तौर पर है, इसके बारे में कोई निर्णय नहीं हुआ है और हमारी पार्टी इसका सख्त विरोध करने वाली है। इसके बाद यह बात समाप्त होनी चाहिए। लेकिन अपनी भड़ास को निकालने के लिए अगर कोई यह भी कहे कि उस सरकार को बरखास्त कर दिया जाए, अगर अपनी भड़ास को, अपनी पराजय को छिपाने के लिए कोई आरोप करे तो हम लाचार हैं, हम उनके भोलेपन के साथ हमदर्दी ही जाहिर कर सकते हैं, उसका अपना समर्थन नहीं दे सकते। मैं बहुत दृढता के साथ यह बात दोहराना चाहता हूं कि जब जवाहर लाल नेहरू या कांग्रेस के नेताओं ने दिल्ली के बारे में परमिट की कोई बात उठाते हैं, तब हमारी पार्टी ने उसका विरोध किया था। हम आज भी उस स्थिति पर हैं और हम आज भी उसका विरोध करेंगे लेकिन हम चाहते हैं कि जो लोग इस पर हल्ला कर रहे हैं क्या वे जवाहर लाल नेहरू की दिल्ली के लिए परमिट की बात स्टेट का विरोध कर रहे थे? आज भी करें, दिखाएं, साबित करें, अपनी राष्ट्रीयता को प्रमाणित करें। तब बोलती बंद हो जाती है और दूसरों पर आक्रमण करने के लिए नकली राष्ट्रीयता की बात बहुत बढाकर कही जाती है। इससे कोई बात बनती नहीं है। मैं इस सदन के भीतर बहुत दृढता के साथ यह बात कहना चाहता हूं कि भारतीय जनता पार्टी भारत के कण-कण पर

प्रत्येक भारतीय का समान अधिकार मानती है । भारत का प्रत्येक निवासी भारत के किसी भी क्षेत्र में जाकर बस सकता है और उसको वहां पर पूरा अधिकार मिलना चाहिए, कश्मीर में भी यह अधिकार मिलना चाहिए । हम कभी यह स्वीकार नहीं करेंगे कि दूसरे देश के लोग यहां पर आएं और वोट की राजनीति करने वाले उनको वोटर बना दें और उनके साथ, उनके समर्थन से मंत्री और मुख्य मंत्री बनना चाहे । हम इस नीति का विरोध करते है और करते रहेंगे । मैं समझता हूं कि संसद को और सदन को भी इस विषय में अपनी बात स्पष्ट से कहनी चाहिए कि बंगला देशी और पाकिस्तानी जो हमारे देश में बसे हैं, उनका पता लगाया जाए और उनको अपने अपने देश में वापिस भेज दिया जाए । इसमे कोई समझौता नहीं हो सकता । यही राष्ट्रीयता की मांग है । मैं इतना ही कहना चाहता हूं ।

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ भीम अफजल: उपसभाध्यक्ष जी, मैं बहुत सुबह से इस बहस को सुन रहा हूं । मैं बहुत ही बुनियादी एक-दो बातें कहना चाहता हूं । जो यहां बहुत सीनियर हमारे लोग बैठे हैं वह शायद इसको कन्फर्म करें । 1983 में किशनगंज, पूर्णिया और कटिहार में बिहार के इलाकों में तकरीबन एक लाख लोगों को नोटिस दिये गये थे कि वे अपनी शहरीयत को साबित करें । सरकार कांग्रेस की थी और नोटिस जिन लोगों को दिये गये थे उनकी आप तहकीक कर लें उसमें 90 फीसदी से ज्यादा लोग मुसलमान थे । असम में कई लोगों को नोटिस दिये गये । मामला कोर्ट में है तफसील में नहीं जाना चाहता । नाम उठाकर देख लीजिए यह पता लग जायेगा कि ज्यादातर नोटिस मुसलमानों को दिये गये । दिल्ली में इलेक्शन से पहले जब दिल्ली में सरकार कांग्रेस की थी, गवर्नर राज था तो तकरीबन सवा चार, साढे चार साल लाख लोगों के नाम बंगलादेशी कहकर वोटर लिस्टों में से खारिज कर दिये गये और सदन में मैंने वह वोटर लिस्ट पेश की थी जिसमें मकान नंबर मौजूद थे और गैर मुसलमान के मकान थे वहां तो वोटर का नाम था लेकिन उसके आगे के मुसलमान मकानों के नाम के आगे वोटर लिस्ट में लिखा गया था निल । सवा चार साढे चार लाख लोगों के नाम निकाले गये । मैंने यह मामला उठाया था सदन इस बात का गवाह है । उसके बाद मामला कोर्ट में गया । कोर्ट ने इलेक्शन कमीशन को कहा । शायद आज बीजेपी दिल्ली में राज नही कर रही होती अगर आप हमारी बात को मान लेते होते । जो साढे चार लाख लोगों के नाम निकाले गये, कौन थे वो लोग ? दुबारा से इलेक्शन कमीशन से आर्डर गये और दिल्ली की दुबारा जनगणना की गई । 62 लाख लोगों से बढ कर 66 लाख लोग हो गये । मैंने जो दावा किया था वह सही निकला । मैं आपको यह बताना चाहता हूं कि मेरा दावा है कि उसमें 90 फीसदी मुसलमान थे । उसके बाद बम्बई में इलेक्शन से पहले 80 हजार लोगों को नोटिस दिया गया । वे नोटिसेंज भी कांग्रेस के शासन में दिए गये । बाद में वह कैसे वापस लिये गये यह शिव सेना के लोग जानते थे, बी.जे.पी. के लोग जानत थे कि या कांग्रेस के लोग जानते होंगे । मेरा कहना सिर्फ यह है कि आज मुझे देख है । कांग्रेस को भी आइना देखना चाहिय । मिसेज गांधी ने 1983 में मेरी बात को बड़े गौर से सुना था उसके बाद कार्रवाई की और नोटिस वापस लिए । पुर्णिया, किशन गंज और कटिहार में । उस समय जमीलुर रहमान वहां से एम.पी. थे और तारीक अनवर भी मैम्बर पार्लियामेन्ट थे वे सब लोग इस बात के गवाह हैं । मेरा कहना यह है कि आपने भी कुछ कम गलतियां नहीं की हैं । इस मुल्क को चलाते वक्त । आज उसका फायदा ये उठा रहे हैं । जो खत आपने

बोया था, उसको काटने की कोशिश कर रहे हैं। उसमें निशाना एक पर्टीकुलर कम्युनिटी बन कर रह गई है। मैं जनेश्वर मिश्र जी की तरह बात नहीं कर सकता। मैं जानता हूं अगर वही बात मैं कह दूं, जो जनेश्वर मिश्र जी ने कही है, तो इस सदन में शायद सब खड़े होकर मुझे पाकिस्तानी, बंगलादेशी का सर्टिफिकेट दे देंगे। यहां सेक्यूलरिज्म का पैमाना बिल्कुल अलग है। कौन आदमी क्या बात कह रहा है, यह बात देखी जाती है। जनेश्वर मिश्र जी की बात नही बोल सकता, क्योंकि मैं डरता हूं। लेकिन यह सेलेक्टिव मामला है . . .

श्री विष्णु कांत शास्त्री : मैंने आपके समर्थन की बात कही।

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ भीम अफजल : मैंने आपकी बात गौर से सुनी। मैं बिल्कुल हक में नहीं हूं कि बंगलादेशी यहां आयें और वोट डालें। पाकिस्तानी यहां आयें और वोट डालें। 1971 में हजारों लोग यहां बाहर से आये और आज तक वह फैमिली की तरह से रह रहे हैं। उनके बच्चे 23 – 24 साल के हो गये होंगे। 1971 में जो फैमिली यहां आई, वह यहां जा कर बस गई। आप दिल्ली से बाहर चले जाइये। नसबन्दी नाम से एक कालोनी बसाई गई। और 50–50 गज का प्लाट उन बंगलादेशी को दिया गया। यह मेरी समझ में नहीं आता कि जब जिस को जरूरत होती है अपने फायदे के लिये इस्तेमाल कर लेता है और जब जरूरत नहीं होती है तो गैर मुल्की कह कर प्रैस करते हैं।

†شری محمد افضل عرف م۔ افضل:
"اتر پردیش:

اپ سبھا ادھیکش جی۔ میں صبح سے اس بحث کو سن رہا ہوں میں بہت ہی بنیادی ایک دو باتیں کہنا چاہتا ہوں۔ جو یہاں بہت سینیئر ہمارے لوگ بیٹھے ہیں۔ وہ شاید اس کو کنفرم کریں۔ 1983ء میں کشن گنج، پورنیہ اور کٹیہار میں بہار کے علاقوں میں تقریباً ایک لاکھ لوگوں کو نوٹس دیئے گئے تھے کہ وہ اپنی شہریت کو ثابت کریں۔ سرکار کانگریس کی تھی اور نوٹس جن لوگوں کو دیئے گئے تھے ان کی آپ تحقیق کریں۔ اس میں 90 فیصد سے زیادہ لوگ مسلمان تھے۔ آسام میں کئی لوگوں کو نوٹس دیئے گئے۔ معاملہ کورٹ میں ہے۔ اس لئے میں تفصیل میں نہیں جانا چاہتا۔ نام اٹھا کر دیکھ لیجئے یہ پتہ لگ جائے گا کہ زیادہ تر نوٹس مسلمانوں کو دیئے گئے ہیں۔ دلّی میں الیکشن سے پہلے جب دلّی میں سرکار کانگریس کی تھی۔ گورنر راج تھا تو تقریباً سوا چار ساڑھے چار لاکھ لوگوں کے نام بنگلہ دیشی کہہ کر ووٹر لسٹوں میں سے خارج کر دیئے گئے اور سدن میں میں نے وہ ووٹر لسٹ پیش کی تھی جس میں مکان نمبر موجود تھے اور غیر مسلمان کے مکان تھے۔ وہاں تو ووٹر کا نام تھا لیکن اس کے آگے مسلمان مکانوں کے نام کے

†[] Transliteration in Arabic Script.

کی اور نوٹس واپس لئے۔ پورنیہ کشن گنج اور کٹیہار میں۔ اس سے جمیل الرحمن وہاں سے ایم۔ پی تھی اور طارق انور بھی پارلیمنٹ سے وہ سب لوگ اس بات کے گواہ ہیں۔ میرا کہنا ہے کہ آپ نے بھی کچھ کم غلطیاں نہیں کی ہیں۔ اس ملک کو چلاتے وقت۔ آج اس کا فائدہ یہ اُٹھا رہے ہیں۔ جو کھیت آپ نے بویا تھا اس کو یہ کاٹنے کی کوشش کر رہے ہیں۔ اس میں نشانہ ایک پرٹیکلر کمیونٹی بن کر رہ گئی ہے۔ میں جنیشور مشرا جی کی طرح بات نہیں کر سکتا۔ میں جانتا ہوں کہ اگر وہی بات میں کہہ دوں جو جنیشور مشرا جی نے کہی ہے تو اس سدن میں شاید سب کھڑے ہو کر مجھے پاکستانی۔ بنگلہ دیشی کا سرٹیفکیٹ دے دیں گے۔ یہاں سیکولرازم کا پیمانہ بالکل الگ ہے۔ کون آدمی کیا بات کر رہا ہے۔ یہ بات دیکھی جاتی ہے۔ جنیشور مشرا جی کی بات نہیں بول سکتا۔ کیوں کہ میں ڈرتا ہوں لیکن یہ سلیکٹو معاملہ ہے۔۔۔

شری وشنو کانت شاستری: میں نے آپکے سمرتھن کی بات کہی۔

شری محمد افضل عرف م۔ افضل: میں نے آپکی بات غور سے سُنی۔ میں بالکل حق میں نہیں ہوں کہ بنگلہ دیشی یہاں آئے اور ووٹ ڈالے۔ پاکستانی یہاں آئے اور آگے ووٹر لسٹ میں لکھا گیا تھا "نیل" سوا چار ساڑھے چار لوگوں کے نام نکالے گئے۔ میں نے یہ معاملہ اٹھایا تھا۔ سدن اس بات کا گواہ ہے۔ اس کے بعد معاملہ کورٹ میں گیا۔ کورٹ نے الیکشن کمیشن کو کہا۔ شائد آج بی۔ جے۔ پی دلی میں راج نہیں کر رہی ہوتی۔ اگر آپ ہماری بات کو مان لیتے ہوتے۔ جو ساڑھے چار لاکھ لوگوں کے نام نکالے گئے۔ کون تھے وہ لوگ دوبارہ سے الیکشن کمیشن کے آرڈر گئے اور دلی میں دوبارہ جن گنتا کی گئی۔ ۶۲ لاکھ لوگوں سے بڑھ کر ۶۶ لاکھ ہو گئے۔ میں نے جو دعوی کیا تھا وہ صحیح نکلا۔ میں آپکو یہ بتانا چاہتا ہوں کہ میرا دعوی ہے کہ اس میں ۹۰ فیصدی مسلمان تھے۔ اس کے بعد بمبئی میں الیکشن سے پہلے ۸۰ ہزار لوگوں کو نوٹس دیئے گئے۔ وہ نوٹسز بھی کانگریس کے شاسن میں دیئے گئے۔ بعد میں وہ کیسے واپس لئے گئے یہ شو سینا کے لوگ جانتے تھے۔ بی۔ جے۔ پی کے لوگ جانتے تھے یا کانگریس کے لوگ جانتے ہوں گے۔ میرا کہنا صرف یہ ہے کہ آج مجھے دکھ ہے کانگریس کو بھی آئینہ دیکھنا چاہیئے۔ مسز گاندھی نے ۱۹۸۳ء میں میری بات کو بڑی غور سے سُنا تھا۔ اس کے بعد کارروائی

†[] Transliteration in Arabic Script.

شری محمد افضل عرف م افضل :-
جاری" میں ایک بات کہنا چاہتا
ہوں - ابھی داؤد ابراہیم کا سوال
ملہوترہ نے اٹھایا - میں آپ
ایک بات کہنا چاہتا ہوں کہ میں
ابراہیم کو سپورٹ نہیں کرتا - بمبئی میں
جو کچھ انسانیت کے لئے دکھ کی
بات ہے اس سے پہلے جو کچھ ہوا
اس کی بھی بات کرنی چاہیئے - کہ یہ بم
دھماکے کیوں ہوئے -

ووٹ ڈالے - ۱۹۷۱ء میں ہزاروں لوگ
یہاں باہر سے آئے اور آج تک وہ فیملی
کی طرح سے رہ رہے ہیں - اُن کے بچے
۲۴-۲۳ سال کے ہو گئے ہوں گے -
۱۹۷۱ء میں جو فیملی یہاں آئیں - وہ یہاں
آکر بس گئیں - آپ دِلّی سے باہر چلے
جائیے - نسبندی نام سے ایک کالونی بسائی
گئی اور ان کو ۵۰ - ۵۰ گز کا پلاٹ اِن
بنگلہ دیشیوں کو دیا گیا - یہ میری سمجھ میں
نہیں آتا کہ جب جس کو ضرورت ہوتی ہے
اپنے فائدے کے لئے استعمال کر لیتا ہے
اور جب ضرورت نہیں ہوتی ہے تو غیر ملکی
کہہ کر پریس کرتے ہیں -

اُپ سبھا ادھیکش جی میں ایک چھوٹی
دینا چاہتا ہوں -

मैं एक बात कहना चाहता हूं । अभी दाऊद इब्राहीम का सवाल प्रो० मेल्होत्रा ने उठाया । – आपसे एक बात कहना चाहता हूं कि मैं दाऊद इब्राहीम को सपोर्ट नहीं करता । बम्बई में जो कुछ हुआ वह इंसानियत के लिए दुखद बात है । लेकिन उससे पहले जो कुछ हुआ उसकी भी बात करनी चाहिए कि ये बम धमाके क्यों हुए । उपसभाध्यक्ष जी, मैं एक छोटी सी मिसाल देना चाहता हूं ।

उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचौरी) : आप समाप्त करिए ।

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल : दाऊद इब्राहीम के 6 लोग पकड़े गए । मैं खासतौर से, ला मिनिस्टर साहब यहां बैठे हुए हैं, वह जरूर इस बात

†[] Transliteration in Arabic Script.

को कन्फर्म करेंगे कि दाऊद इब्राहीम के 6 लोग पकड़े गए थे और उनमें से एक आदमी ने कन्फेस किया और उसने कुछ नाम बताए । उसमें एक मुस्लिम आर्गनाइजेशन जिसके जनरल मैनेजर साबू चाके जो एक क्रिश्चिन हैं, माइनारिटी कम्युनिटी के हैं, उसको उठाकर टाडा में बंद कर दिया । लेकिन उसने एक मिनिस्टर का भी नाम लिया कि मिनिस्टर के बाकायदा कहने पर एक गेस्ट हाउस में दाऊद इब्राहीम के लोगों को रखा गया । उसने भारतीय जनता पार्टी के लोकसभा के एक सदस्य का नाम भी लिया और कहा कि उसने भी मदद की । लेकिन उपसभाध्यक्ष जी, उन दोनों में से किसी को टाडा में गिरफ्तार नहीं किया गया । इसलिए मैं कहता हूं कि भारतीय जनता पार्टी या शिव सेना के लोग जो कहते हैं कि महाराष्ट्र से जो गैर मुल्की हैं उनको वहां से बाहर निकाला जाए, मुझे इस पर कोई आपत्ति नहीं है । मेरा कहना सिर्फ यह है कि शिव सेना के लोग कल तक मुसलमानों के खिलाफ नारे लगाते थे कि हमने उनको सबक सिखा दिया वगैरह वगैरह, एक बार मैंने यहां पर एक बात कही थी, साल्वे साहब उस पर नाराज हो गए थे और उन्होंने कहा कि इस तरह से नुकसान पहुंचेगा । उपसभाध्यक्ष जी, मेरा कहना यह है कि सलेक्टिव नहीं होना चाहिए । आज शिव सेना के लोग यह दावा कर रहे हैं कि बम्बई में, महाराष्ट्र में उनको वोट दिया है लेकिन वे जिस तरह से बंगलादेशियों की बात कर रहे हैं, जिस तरह से उनके आइडेंटिफिकेशन की बात कर रहे हैं, इस पर मेरा कहना है कि दो पैमाने नहीं होने चाहिए । कश्मीर में जो एक एग्रीमेंट हो रहा है, उसको आप नहीं मानेंगे लेकिन नेपाल के साथ जो एग्रीमेंट है उसको जरूर मानेंगे । ये जो दो पैमाने हैं यह खत्म होने चाहिए । मैं यह बात कहूंगा कि सदन को इस पर गौर करना चाहिए कि सियासी लड़ाई के अंदर जो एक कम्युनिटी को निशाना बनाया जा रहा है, उसकी बरदादी जो दिन-ब-दिन हो रही है, उस बरबादी को किस तरह से रोका जाए । इस बरबादी को रोकने की कोशिश कीजिए वरना जो हमें अंदेशा हो रहा है कहीं वह अंदेशा दुरुस्त साबित न हो जाए ।

उपसभाध्यक्ष जी, मैं सिर्फ एक बात कहकर अपनी बात खत्म करता हूं । अगर शिव सेना और भारतीय जनता पार्टी के लोगों को शौक है कि हम बंगलादेशियों को यहां से निकालें तो इसमें हम आपके साथ हैं । लेकिन आपका काम सलेक्टिव नहीं होना चाहिए । आप किसी भी इश्यू को उठाकर देख लीजिए । जब भी कोई बात शुरू होती है कि आप सलेक्टिव हो जाते हैं । यह कोई तरीका नहीं है ।

...(व्यवधान)...

मैं आपसे यह कहना चाहता हूं कि जब से आपने यह सलेक्टिवनेस शुरू किया है तब से यह सब हुआ । मिसाल के तौर पर जब आप बंगलादेशियों की बात करते हैं तो आप फौरन ऐसी बात कहते हैं लेकिन जब नेपाल के बारे में बात होती है तो आप कहते हैं कि उनके साथ एग्रीमेंट हुआ है । अगर कोई गैर-मुल्की है तो आप हर एक को रोकिए । उपसभाध्यक्ष जी मैं आपको बताना चाहता हूं, मैं पार्लियामेंट में बोल रहा हूं । हम लोग यहां पर बहुत सोच-समझकर बोलते हैं लेकिन जो ग्राउंड रियलिटीज है वह बिलकुल डिफरेंट है । आप आज दिल्ली एडमिनिस्ट्रेशन में चले जाइए । मैं आपको बताता हूं कि अगर एक मुसलमान शादी पाकिस्तान में करके यहां आता है कि उसको नेशनलिटी मिलने में कितने ही साल लग जाते हैं । लेकिन अगर एक गैर-मुसलमान वहां से आता है तो उसको कितने कम समय में नेशनलिटी मिलती है इसको आप रिकार्ड उठाकर देख लीजिए । कागजात आपको सब कुछ बता देंगे । मैं यह कहना चाहता हूं कि आप जरूर करिए, हम आपके साथ हैं । हम हिन्दुस्तान में पैदा हुए हैं । हम लोग बंगला देश जाने वाले नहीं हैं, हम लोग पाकिस्तान जाने वाले नहीं हैं । लेकिन अगर आप सलेक्टिव काम करेंगे तो इसको हम जरूर बर्दाश्त नहीं करेंगे और न पार्लियामेंट बर्दाश्त करेगी और न वह लोग बर्दाश्त करेंगे जिनके खिलाफ आपने यह अभियान चला रखा है । . . . (व्यवधान) . . .

†شری محمد افضل غرف م افضل :-
داؤد ابراہیم کے ۶ لوگ پکڑے گئے۔
میں خاص طور سے لا منسٹر صاحب یہاں
بیٹھے ہوئے ہیں وہ ضرور اس بات کو
کنفرم کریں گے کہ داؤد ابراہیم کے
۶ آدمی پکڑے گئے تھے اور اُن میں سے ایک
آدمی نے کنفیس کیا اور اُس نے کچھ نام بتائے۔
اس میں ایک مسلم آرگنائزیشن جس کے جنرل منیجر
صابو چاکے جو ایک کرشچن ہیں۔ مائناریٹی
کمیونٹی کے ہیں اس کو اٹھا کر ٹاڈا میں بند
کر دیا۔ لیکن اس نے ایک منسٹر کا بھی نام
لیا کہ منسٹر کے باقاعدہ کہنے پر ایک گیسٹ ہاؤس
میں داؤد ابراہیم کے لوگوں کو رکھا گیا۔
اُس نے بھارتیہ جنتا پارٹی کے لوگ سبھا
کے ایک سدسیہ کا نام بھی لیا اور کہا کہ
اس نے بھی مدد کی۔ لیکن اب سبھا
ادھیکش جی اُن دونوں میں سے کسی
کو بھی ٹاڈا میں گرفتار نہیں کیا گیا۔ اس لئے
میں کہتا ہوں کہ بھارتیہ جنتا پارٹی یا
شیو سینا کے لوگ جو کہتے ہیں کہ مہاراشٹر
سے جو غیر ملکی ہیں اُن کو وہاں سے باہر نکالا

†[] Transliteration in Arabic Script.

کی کوشش کیجئے ورنہ جو ہمیں اندیشہ ہے ہے کہیں وہ اندیشہ درست ثابت نہ ہو جائے۔

آپ سبھا ادھیکش جی۔ میں صرف ایک بات کہہ کر اپنی بات ختم کرتا ہوں۔ اگر شیو سینا اور بھارتیہ جنتا پارٹی کے لوگوں کو شوق ہے کہ ہم بنگلہ دیشیوں کو یہاں سے نکالیں تو اس میں ہم آپ کے ساتھ ہیں۔ لیکن آپ کا کام سلیکٹیو نہیں ہونا چاہیئے۔ آپ کسی بھی ایشو کو اٹھا کر دیکھ لیجئے جب بھی کوئی بات ہوتی ہے تو آپ سلیکٹیو ہو جاتے ہیں۔ یہ کوئی طریقہ نہیں ہے۔۔ "مداخلت"۔۔

میں آپ سے یہ کہنا چاہتا ہوں کہ جب سے آپ نے یہ سلیکٹیونیس شروع کیا ہے تب سے یہ سب ہوا۔ مثال کے طور پر جب آپ بنگلہ دیشیوں کی بات کرتے ہیں تو آپ فوراً ایسی بات کہتے ہیں لیکن جب آپ نیپال کے بارے میں بات ہوتی ہے تو آپ کہتے ہیں کہ اُن کے ساتھ ایگریمنٹ ہوا ہے۔ اگر کوئی غیر ملکی ہے تو آپ ہر ایک کو روکئے۔ آپ سبھا ادھیکش جی میں آپ کو بتانا چاہتا ہوں۔ میں پارلیمنٹ میں بول رہا ہوں۔ ہم لوگ یہاں پر بہت سوچ سمجھ کر بولتے جاتے۔ مجھے اس پر کوئی آپتی نہیں ہے۔ میرا کہنا صرف یہ ہے کہ شیو سینا کے لوگ کل تک مسلمانوں کے خلاف نعرے لگاتے تھے کہ ہم نے ان کو سبق سکھا دیا۔ وغیرہ وغیرہ۔ ایک بار میں نے یہاں پر یہ بات کہی تھی۔ سالوے صاحب اس پر ناراض ہو گئے تھے۔ اور انھوں نے کہا کہ اس طرح کی بات سے نقصان پہنچے گا۔ آپ سبھا ادھیکش جی میرا کہنا یہ ہے کہ سلیکٹیو نہیں ہونا چاہیئے۔ آج شیو سینا کے لوگ یہ دعویٰ کر رہے ہیں کہ بمبئی میں۔ مہاراشٹر میں مسلمانوں نے اُن کو ووٹ دیا ہے لیکن وہ جس طرح سے بنگلہ دیشیوں کی بات کر رہے ہیں۔ جس طرح سے ان کے آئیڈنٹٹی نیگیشن کی بات کر رہے ہیں اس پر میرا کہنا یہ ہے کہ دو پیمانے نہیں ہونے چاہئیں۔ کشمیر میں جو ایک ایگریمنٹ ہو رہا ہے اس کو آپ نہیں مانتے گے لیکن نیپال کے ساتھ جو ایگریمنٹ ہے اُس کو ضرور مانیں گے۔ یہ جو دو پیمانے ہیں یہ ختم ہونے چاہئیں۔ میں یہ کہوں گا کہ سدن کو اس پر غور کرنا چاہیئے کہ سیاسی لڑائی کے اندر جو ایک کمیونٹی کو نشانہ بنایا جا رہا ہے اُس کی بربادی جو دن بہ دن ہو رہی ہے اس بربادی کو کس طرح سے روکا جائے۔ اس بربادی کو روکنے

†[] Transliteration in Arabic Script.

ہیں۔ لیکن جو گراونڈ ریلیٹیز ہیں وہ بالکل ڈفرنٹ ہیں۔ آج آپ دلی ایڈمنسٹریشن میں چلے جائیے۔ میں آپ کو بتاتا ہوں کہ اگر ایک مسلمان شادی پاکستان میں کر کے یہاں آتا ہے تو اُس کو نیشنلٹی ملنے میں کتنے ہی سال لگ جاتے ہیں۔ لیکن اگر ایک غیر مسلم وہاں سے آتا ہے تو اُس کو کتنے کم سمے میں نیشنلٹی ملتی اس کو آپ ریکارڈ اُٹھا کر دیکھ لیجئے۔ کاغذات آپکو سب کچھ بتا دیں گے۔ میں یہ کہنا چاہتا ہوں کہ آپ ضرور کریئے۔ ہم آپ کے ساتھ ہیں۔ ہم ہندوستان میں پیدا ہوئے ہیں۔ ہم لوگ بنگلہ دیش جانے والے نہیں ہیں۔ ہم لوگ پاکستان جانے والے نہیں ہیں۔ لیکن اگر آپ سلیکٹو کام کریں گے تو اس کو ہم ضرور برداشت نہیں کریں گے۔ اور نہ پارلیمنٹ برداشت کرے گی۔ اور نہ وہ لوگ برداشت کریں گے جن کے خلاف آپ نے یہ ابھیان چلا رکھا ہے۔

श्री संघ प्रिय गौतम : हम... (व्यवधान)...

* यह भी हमारा संकल्प है।

श्री मोहम्मद अफजल उफ मीम अफजल : ये कह रहे हैं कि मैं भारतील नहीं हूं, । मुझे इस पर ऐतराज है जो इन्होंने कहा कि * । ये ऐसे कह रहे हैं जैसे कि मैं भारतीय नहीं हूं। मैं कहना चाहता हूं कि यह इनकी नीयत है, यह नके मामलात हैं। ...(व्यवधान)...

انھوں نے کہا ہے کہ * یہ ایسے کہہ رہے ہیں جیسے کہ میں بھارتیہ نہیں ہوں میں کہنا چاہتا ہوں کہ یہ اُن کی نیت ہے۔ یہ ان کے معاملات ہیں۔

...."مداخلت"...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SURESH PACHOURI): Please conclude. We have to take up another business.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Sir, I have a submission. (*Interruptions*).

DR. BIPLAB DASGUPTA: Sir, I think, what Mr. Sangh Priya Gautam said, is objectionable. He said: "BHARTIYA BANE KE CHHOKE GAY." What does he mean by this? He must apologise. (*Interruptions*) Gautam Ji you must apologise. (*Interruptions*)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SURESH PACHAURI): Now, there is no time. We have to take up another business.

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल : अगर मेरा नाम मीम अफजल नहीं होता तो आप सभी शायद यह नहीं कहते कि *आपने जनेश्वर मिश्रा जी से तो नहीं कहा। (व्यवधान)

*Expunged as ordered by the Chair.

†[] Transliteration in Arabic Script.

شری محمد افضل عرف م۔ افضل:۔ اگر میرا نام م افضل نہیں ہوتا تو آپ شاید کبھی یہ نہیں کہتے کہ * ۔ آپ نے جنیشور مشرا جی سے تو نہیں کہا .. "مداخلت" ..

DR. BIPLAB DASGUPTA: Both of them must apologise for making their remarks. ....(*Interruptions*)... Sir, I find it very objectionable. ...(*Interruptions*)... The Member is sitting here just because his surname is a Muslim surname. ....(*Interruptions*)...

श्री संघ प्रिय गौतम : हमने आपसे कब कहा कि क्षमा मांगिये (**व्यवधान**)

श्री एस० एस० अहलूवालिया : आप अपने अल्फाज वापिस लीजिये (**व्यवधान**)

DR. BIPLAB DASGUPTA: You must apologise.

SHRI DIGVIJAY SINGH: You must apologise.

(*Interruptions*)

SHRI V. GOPALSAMY: Sir, he should apologise. ...(*Interruptions*)...

DR. BIPLAB DASGUPTA: No, no; he must apologise.

(*Interruptions*)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SURESH PACHOURI): I will go through the records and see that if there is anything objectionable, that is expunged.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Sir, we must discuss controversial issues, maintaining the decorum and dignity of the House. You must ask him to withdraw the remark he has made.

(*Interruptions*)

DR. BIPLAB GUPTA: Sir, you ask hi to apologise. ...(*Interruptions*)... Sir, it is most objectionable ...(*Interruptions*)... Sir, it is very objectionable. ...(*Interruptions*)...

SHRI DIGVIJAY SINGH: Sir, either you expunge it or you ask him to withdraw it. ...(*Interruptions*)...

DR. BIPLAB DASGUPTA: Just a minute. Sir, all the Members have been elected because they are Indian citizens...(*Interruptions*)...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SURESH PACHOURI): I will go through the records and if there is anything objecionable, I will expunge that. ...(*Interruptions*)...

DR. BIPLAB DASGUPTA: Sir, let him make a statement.

श्री सिकन्दर बख्त : सदर साहब, मैं अर्ज करूं । बदकिस्मती से ऐसा होता है कि जब किसी चीज को हम तूल देना होता है तो हम कहीं के कहीं पहुंच जाते हैं । अफजल साहब मैं यह तो कह नहीं कह सकता हसीन का लफज इनके लिये कैसे इस्तेमाल करूं लेकिन एक शेर अर्ज करता हूं (**व्यवधान**) आप जरा तशरीफ रखिये । मैं इनकी खिदमत में एक शेर अर्ज करता –

इन हसीनों से किसी बात का शिकवा कैसा,
जब यह मिल जायें तो कलेजे से लगा लो तो ।

इनको गैर समझने का सवाल कहां पैदा होता है । मैं अक्सर जानत हूं । देखिये जो कुछ गौतम ने कहा ।, गालिबन, इनकी जो आपस में बैठे-बैठ चोंज लड़ती रहती है, वह मैं अक्सर सुनता हूं और वह सदन की कार्यवाही से बाहर की बात है । मैं इसको ईमानदारी से यह मानता हूं कि यह इन लोगों की आपस में कुछ चुटकम-चुट्टवल बैठे-बैठे चलती रहती है, यह उसी का एक हिस्सा है । लेकिन इसको तुल देकर बहुत कुछ सियासी बात पैदा करने की कोशिश न कीजिये । अफजल साहब को अगर गौतम जी की बात बुरी लगी हो तो मैं उसकी माफी मांगता हूं । आप इसको बहुत आसामान पर मत उठाइये । (**व्यवधान**)

*Expunged as ordered by the Chair.
†[] Transliteration in Arabic Script.

شری سکندر بخت :- صدر صاحب۔ میں عرض کروں - بدقسمتی سے ایسا ہوتا ہے کہ جب کسی چیز کو ہمیں طول دینا ہوتا ہے تو ہم کہیں کے کہیں پہنچ جاتے ہیں - افضل صاحب میں تو یہ کہہ نہیں سکتا - حسین کا لفظ ان کے لئے میں کیسے استعمال کروں - لیکن ایک شعر عرض کرتا ہوں ... "مداخلت" ... آپ ذرا تشریف رکھئے - میں انکی خدمت میں ایک شعر عرض کرتا ہوں

ان حسینوں سے کسی بات کا شکوہ کیسا
جب یہ مل جائیں تو کلیجے سے لگا لو ان کو

ان کو غیر سمجھنے کا سوال کہاں پیدا ہوتا ہے۔ میں اکثر جانتا ہوں - دیکھئے جو کچھ گوتم نے کہا ہوگا - غالباً ان کی جو آپس میں بیٹھے بیٹھے چونچ لڑتی رہتی ہے وہ میں اکثر سنتا ہوں اور وہ سدن کی کارروائی سے باہر کی بات ہے - میں اس کو ایمانداری سے یہ مانتا ہوں کہ یہ ان لوگوں کی آپس میں کچھ چٹکلم - چٹول آپس میں چلتی رہتی ہے - یہ اسی کا ایک حصہ ہے - لیکن اس کو طول دے کر بہت کچھ سیاسی بات پیدا کرنے کی کوشش نہ کیجئے - افضل صاحب کو اگر گوتم جی کی بات بری لگی ہو تو میں اس کی معافی مانگتا ہوں - آپ اس کو بہت آسمان پر مت بٹھائیے

†[] Transliteration in Arabic Script.

DR. BIPLAB DASGUPTA: Why not? ... (Interruptions) ... Why should he say so?

श्री सिकन्दर बख्त : सदन की कार्यवाही से उसका कोई संबंध नहीं था लेकिन कुछ लोगों को शौक है अपनी बात कहने का.. (**व्यवधान**)

شری سکندر بخت :- سدن کی کارروائی سے اس کا کوئی سمبندھ نہیں تھا - لیکن کچھ لوگوں کو شوق ہے اپنی بات کہنے کا ... "مداخلت" ...

उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचौरी) सत्य प्रकाश मालवीय जी को उत्तर प्रदेश के मामले में चेयरमन साहब ने परमिट किया है, वह हम लोग कल टेक-अप करेंगे ।

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : कल जीरो आवर में टेक-अप करेंगे ।

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Sir, I have a suggestion to make. Let adjourn for half-an-hour and then begin the discussion.

THE CABLE TELEVISION NETWORKS (REGULATIONS) BILL, 1994

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SURESH PACHOURI): I will take the sense of the House, but before I do that, there is a very small amendment to be made in the Cable Television Networks (Regulation) Bill, 1994. Mr. Minister. ...(*Interruptions*) ...

DR. BIPLAB DAS GUPTA (West BENGAL): No, no; it is not a small amendment. We have a serious objection to it ...(*Interruptions*)... No, no; he has played a confidence trick on the members of the Rajya Sabha. ...(*Interruptions*)... Just a minute. Last time when this Bill was discussed here, we proposed